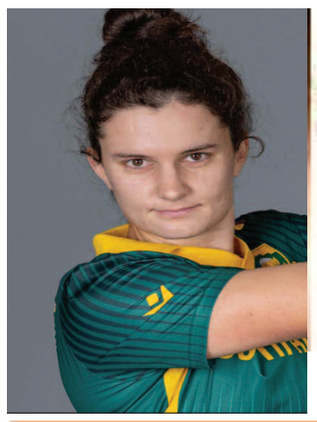

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दक्षिण आफ्रीकी कप्तान लॉरा बनी आईसीसी की अटूबर महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी -पेज: 7

120 बहादुर में अपने किरदार को लेकर काफी एसाइटेड हैं राशि खन्ना -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 216 | शुक्रवार 14 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

ऐसी सजा देंगे कि दुनिया देखेगी.. दिल्ली ब्लास्ट पर अमित शाह दे दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने चेतावनी दी कि दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट के ज़िम्मेदारों को दी गई सजा से दुनिया भर में एक कड़ा संदेश जाएगा और यह स्पष्ट होगा कि भारत में इस तरह के हमले दोबारा नहीं होने चाहिए। उन्होंने सरकार की इस प्रतिबद्धता को रेखांकित किया कि इसमें शामिल सभी लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी, जो नेतृत्व के उच्चतम स्तर पर दृढ़ संकल्प को दशार्ता है। शाह ने कहा कि दोषियों के खिलाफ की गई कार्रवाई दुनिया को दिखाएगी कि भारत किसी भी रूप में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। संदेश स्पष्ट होगा - जो कोई भी हमारे देश को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करेगा,

उसे कठोरतम परिणाम भुगतने होंगे। गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता तथा ग्रामीण सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुजरात में श्री मोतीभाई आर. चौधरी सागर सैनिक स्कूल और सागर ऑर्गेनिक प्लांट का उद्घाटन करने के बाद, अमित शाह ने विस्फोट में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। शिक्षा और रक्षा तैयारियों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण पर सरकार के फोकस पर प्रकाश डालते हुए, गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात में नवनिर्मित मोतीभाई चौधरी सागर सैनिक स्कूल युवाओं को भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा करने के लिए प्रेरित करेगा।उन्होंने आगे कहा कि पीपीपी मॉडल पर 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने की प्रधानमंत्री मोदी की पहल के तहत, यह स्कूल मेहसाणा के लिए गौरव की बात होगी। शाह ने सामुदायिक विकास के लिए इन शैक्षिक पहलों के महत्व पर जोर दिया।

गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता तथा ग्रामीण सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुजरात में श्री मोतीभाई आर. चौधरी सागर सैनिक स्कूल और सागर ऑर्गेनिक प्लांट का उद्घाटन करने के बाद, अमित शाह ने विस्फोट में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

कम उम्र के 65 बच्चों की कुपोषण से मौत... बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को फटकारा

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणियाँ महाराष्ट्र के अमरावती ज़िले के मेलघाट क्षेत्र में बच्चों में कुपोषण के गंभीर संकट को उजागर करती हैं। महाराष्ट्र का आदिवासी बहुल मेलघाट क्षेत्र (अमरावती ज़िला)। जून और नवंबर 2025 के बीच, छह महीने से कम उम्र के 65 बच्चों की कुपोषण के कारण मृत्यु हो गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट (न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति संदेश पाटिल की खंडपीठ) ने इसे भयावह बताते हुए राज्य सरकार की प्रतिक्रिया को बेहद लापरवाह और असंवेदनशील कहा है। अदालत ने ज़िक्र किया कि सरकारी विभागों को 2006 से इस मुद्दे पर आदेश मिल रहे हैं, लेकिन ज़मीनी हालात में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हाईकोर्ट ने जोर दिया कि यह आँकड़ों का नहीं बल्कि मानवीय अस्तित्व और करुणा का मामला है, जो जीवन और सम्मान के मौलिक अधिकार से जुड़ा है। अदालत ने लोक स्वास्थ्य, आदिवासी विकास, महिला एवं बाल कल्याण और वित्त विभागों के प्रमुख सचिवों को 24 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह दर्शाता है कि बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर राज्य सरकार के प्रयासों की कमी को लेकर न्यायपालिका कितनी चिंतित है।

दिल्ली धमाका, देश में अशांति फैलाने की यह एक घृणित साजिश : शाही इमाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए ब्लास्ट मामले की शाही इमाम मौलाना सैयद अहमद बुखारी ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने घटना पर गहरा दुख जाहिर करते कहा कि देश में अशांति फैलाने की यह एक घृणित साजिश है जिसे समाज के हर तबके को मिलकर नाकाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमला देश की एकता और अखंडता पर प्रहार है। उन्होंने कहा कि भारत के सभी नागरिकों को, चाहे वे किसी भी धर्म या समुदाय से हों, एकजुट होकर इस तरह की हिंसक घटनाओं के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। इमाम ने कहा कि देश के मुसलमान भारतीय हैं और कश्मीरियों, सिख भाइयों तथा अन्य समुदायों के साथ मिलकर आतंकवाद के विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कार्रवाई हो इसपर और इंसाफ होता हुए भी दिखे। उन्होंने कहा कि घटना से देश में भय फैलाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हमें अपने देश की सुरक्षा और अमन बनाए रखने के लिए एकजुट रहना होगा। शाही इमाम ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील की कि आतंकवादी हमले की पूरी तरह से जांच कराएं और इसके पीछे मौजूद अपराधियों को सख्त से सख्त सज़ा दी जाए।

जीएसटी चोरी पकड़ने गई टीम पर हमला, कार को ट्रक से मारी टक्कर, सबूत भी छीन कर भागे

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र में जीएसटी चोरी के नेटवर्क पर छापा मारने गई डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) की टीम पर हमला हो गया। आरोपियों ने सरकारी गाड़ी को ट्रक से टक्कर मार दी और सबूत के तौर पर जब्त किए गए दो सीपीयू छीनकर भाग गए। पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बासनी थाना अधिकारी नितिन दवे के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 7:15 बजे जयपुर से आई डीजीजीआई टीम बिश्नोई रोड लाइंस नामक ट्रांसपोर्ट कंपनी के कार्यालय पर पहुंची थी। ऑफिस बंद था, तभी सुनील बिश्नोई नामक व्यक्ति आया और ताला खोलने के बाद सीपीयू ले जाने लगा। टीम ने उसे रोकने की कोशिश की तो पुखराज खावा और उसके साथियों ने धक्का-मुक्की व हाथापाई की। आरोपियों ने टीम से दोनों सीपीयू छीन लिए, एक को कार में रखकर साथी भगा ले गया और दूसरा ट्रक में रख लिया। भागते समय ट्रक ने टीम की सरकारी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। सूत्रों के अनुसार, इन सीपीयू में फर्जी बिलिंग और जीएसटी चोरी से जुड़े अहम डेटा हो सकते हैं। डीजीजीआई की टीम स्टील इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट सेक्टर में करोड़ों की कर चोरी के एक नेटवर्क पर कार्रवाई करने पहुंची थी। बताया जा रहा है कि आरोपी फर्जी बिल्टी और बोगस बिलिंग के जरिए टैक्स चोरी कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं ताकि कार और ट्रक के नंबर व हमलावरों की पहचान की जा सके। गिरफ्तार सुनील बिश्नोई से पूछताछ जारी है।

पुणे जिले में तेंदुए ने बाइक पर जा रहे किसान पर हमला किया

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में हुई चौंकाने वाली घटना में एक तेंदुए ने बाइक पर जा रहे किसान पर हमला कर दिया। पुणे जिले के जुन्नर तालुका का ओतूर इलाका, नगर कल्याण राजमार्ग पर अहिनवेवाड़ी फाटा के पास ये घटना हुई। नीलेश सीताराम डोके (35 वर्ष), जो कि एक किसान, अपनी मोटरसाइकिल पर खाद की बोरी लेकर घर लौट रहा था। तभी सड़क किनारे झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक पीछे से झपट्टा मारा और किसान को गिरा दिया। नीलेश बाइक समेत सड़क पर गिर गए और उनके सिर में गंभीर चोट आई। वह बाइक के साथ दूर तक घिसटते चले गए। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और अब वायरल हो रही है। उन्हें पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत पहले गंभीर थी, लेकिन डॉक्टरों के मुताबिक अब स्थिर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेंदुआ हमले के बाद डरकर भाग गया और पास के जंगल की ओर चला गया। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से तेंदुए की मौजूदगी देखी जा रही थी, लेकिन वन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। प्रशासन की कार्रवाई: ओतूर पुलिस और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और निरीक्षण किया। आसपास के इलाकों में सर्च अभियान शुरू किया गया है। वन विभाग ने लोगों से रात में अकेले खेतों या सुनसान रास्तों पर न जाने और सतर्क रहने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन ने कैमरा ट्रैप लगाने और वन्यजीव निगरानी बढ़ाने की योजना बनाई है।

छोटे शहरों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने की नई योजना

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार छोटे और बंद पड़े हवाई अड्डों पर पुन: उड़ान शुरू करने के लिए नई योजना तैयार की है। केंद्र सरकार ने उन हवाई अड्डों के ऊपर विशेष ध्यान दिया है जहां ट्रैफिक नहीं होने के कारण एयरलाइन कंपनियां हवाई यात्रा शुरू करने के बाद बंद कर देती हैं।

धामी सरकार के फैसले के बाद जागी, संविदा कर्मियों में नियमितीकरण की आस

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में संविदा, दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, नियत वेतन, अंशकालिक और तदर्थ रूप में कार्यरत कार्मिकों के नियमितीकरण से जुड़ा मामला है। 2008 के बाद से कार्यरत संविदा कर्मियों में नियमितीकरण की आस जगी है। कैबिनेट ने इसतरह के कार्मिकों के लिए कट-ऑफ डेट तय करने के लिए एक मंत्रिमंडल की समिति गठित करने का निर्णय लिया है। यह समिति विस्तृत अध्ययन के बाद अपनी रिपोर्ट कैबिनेट के समक्ष रखेगी।

पूर्व की नीतियाँ- 2013 तक पाँच वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को नियमित करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन कई विभाग समय से कार्रवाई नहीं कर पाए। 2016 तक पाँच वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को नियमित करने का निर्णय लिया गया, लेकिन विवादों के कारण इसे रद्द कर दिया गया। कैबिनेट ने 2018 तक दस वर्ष की नियमित सेवा करने वालों को विनियमित करने का निर्णय लिया है। भविष्य के लिए कट-ऑफ डेट के संबंध में मंत्रिमंडल की उप-समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है।

बात दें कि उत्तराखंड सरकार ने 2008 के बाद से कार्यरत संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए नई कट-ऑफ डेट और भविष्य की नीति तय करने के लिए एक मंत्रिमंडल उप-समिति गठित करने का निर्णय लिया है।

दिल्ली ब्लास्ट: घायलों से मिले पीएम मोदी तो आप नेता ने फोटो खिंचवाने का बताया मौका

बीजेपी का पलटवार, आप राजनीति के लिए और कितना नीचे गिर सकते हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक सौरभ भारद्वाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि घायल पीड़ितों से मिलने के लिए अस्पताल का उनका दौरा महज एक फोटो खिंचवाने का मौका था, क्योंकि इस दौरे के दौरान मरीजों को प्लास्टर की पोशाक दी गई थी। आप नेता भारद्वाज ने प्रधानमंत्री के दौरे और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के घायलों से मिलने की एक तस्वीर को हाईलाइट किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री मोदी दोनों एक ही पीड़ित से मिले, आप नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के दौरे के समय मरीज को नई पोशाक और नया प्लास्टर लगाया गया था।

आप नेता भारद्वाज ने पोस्ट कर लिखा कि 11 नवंबर को मरीज़ से पहले सीएम रेखा गुप्ता मिली, अगले दिन उसी मरीज पीएम मोदी मिले। नए कॉस्ट्यूम, हाथ में नया प्लास्टर। वहीं, दिल्ली भाजपा ने आप नेता को जवाब देकर कहा कि आखिर ये आप राजनीति के लिए और कितना नीचे गिर सकते हो। हर बार सोचते हैं, अब इससे नीचे नहीं जा सकते लेकिन आप-दा गैंग फिर ये साबित कर देता है कि नीचता की कोई हद नहीं होती।

बीजेपी ने पोस्ट कर कहा कि अरे हारे हुए विधायक व पढ़े-लिखे अनपढ़ भारद्वाज, अगर जरा भी अक्ल बाकी हो, जान लो मुख्यमंत्री रेखा घटना के तुरंत बाद घायलों से मिलने पहुंची थीं। तब इलाज शुरू ही हुआ था, और रिपोर्ट्स आने में समय लगता है। पर आपको कहां समझ आएगा? असल में दोष आपका भी नहीं है, आप पासआउट हैं केजरीवाल स्कूल ऑफ मिसइन्फॉर्मेशन से पार्टी ने आगे लिखा कि जहां सच बोलना गुनाह और झूठ फैलाना हुनर माना जाता है। जनता अब सब समझ चुकी है। आप के लिए हर घटना पब्लिसिटी स्टंट बन जाती है, और हर पीड़ित इंसान आप की घटिया राजनीतिक रोटियां सेंकने का जरिया।

राजस्थान की दो महिला नेताओं को प्रियंका गांधी वाड्रा ने दी खास जिम्मेदारी... सियासी चर्चा तेज

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की दो महिला नेता सांसद संजना जाटव और रेहाना रियाज को पार्टी हाई कमान ने बड़ी जिम्मेदारी दी हैं। इस लेकर राजस्थान की सियासत में काफी चर्चा हैं। सांसद जाटव को मध्यप्रदेश प्रभारी और रेहाना को महाराष्ट्र प्रभारी बनाने के पीछे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की बड़ी भूमिका सामने आ रही है। इसके पीछे चर्चा हैं, कि प्रियंका गांधी वाड्रा को शुरू से ही राजस्थान काफी रास आता रहा है। प्रियंका संगठन में महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता देने की पक्षधर रही है।

बता दें कि संजना सबसे कम उम्र 25 साल में धौलपुर-भरतपुर की लोकसभा सांसद चुनी गई। उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज सचिन पायलट का यह रिकॉर्ड तोड़ा है। संजना के कम उम्र में सांसद बनने और कांग्रेस में बड़ी जिम्मेदारी मिलने को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा का विषय है। इसके पीछे सचिन और प्रियंका गांधी का वरदहस्त माना जा रहा है। बता दें कि लोकसभा चुनाव में संजना के टिकट को लेकर सचिन पायलट की बड़ी भूमिका मानी गई। उनके ही प्रयास के चलते संजना को लोकसभा में टिकट मिला और चुनाव जीती। चर्चा यह भी रही कि सचिन ने ही प्रियंका गांधी वाड्रा से संजना जाटव की मुलाकात कराई थी। माना जा रहा है कि तभी से संजना जाटव प्रियंका गांधी की नजरों में थी। इस समीकरणों को देखते हुए उन्हें हाल ही में मिली मध्य प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी से जोड़कर देखा गया है।

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी के तौर पर राजस्थान कांग्रेस की महिला नेता रेहाना चिश्ती को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पहले रेहाना रियाज गहलोत सरकार में महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी है। वह मूल रूप से केरल निवासी हैं। जिन्होंने चूरू में शादी की थी। रेहाना लंबे समय से प्रदेश संगठन में पदाधिकारी रह चुकी है और उन्हें वेणुगोपाल के करीबी में माना जाता है। इसी को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा है कि वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी के प्रयास के चलते ही उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई हैं, क्योंकि प्रियंका गांधी महिला नेताओं को आगे लाने के लिए सक्रिय रहती हैं।

बता दें कि प्रियंका गांधी राजस्थान में कई बार रणथम्भौर विजिट के लिए आती रहती है। इस बीच उन्होंने कई बार राजस्थान की युवा और महिला नेताओं से कोऑर्डिनेशन किया है। बता दें कि प्रियंका गांधी संगठन में युवाओं और महिलाओं को आगे लाने के लिए सक्रिय रही है।

कार विस्फोट में रिक्शा चालक की मौत, परिवार ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

-छोटे-छोटे बच्चों के रुक नहीं रहे आंसू, मुआवजे की राशि देने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किला के पास हुए कार विस्फोट में मोहसिन की भी मौत हो गई। वह अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं। बच्चों के पिता की याद में आंसू नहीं रुक रहे हैं वह अपने पापा को याद कर रहे हैं। उन्होंने दिल्ली और केंद्र सरकार से गुहार लगाई है कि इस घटना को अंजाम देने वाले दोषियों को सख्त सजा दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना न हो।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोहसिन के बच्चों ने कहा कि पिता के जाने के बाद हम अकेले पड़ गए हैं। सरकार हमारे भविष्य को लेकर कुछ सोचे। मोहसिन के भाई नदीम ने बताया कि उनका बड़ा भाई मोहसिन अब इस दुनिया में नहीं रहा। वह करीब 35-36 साल का था। विस्फोट में उसकी मौत हो गई। नदीम ने बताया कि विस्फोट के बाद उसने भाई को घंटों ढूंढा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। उनका नाम पीड़ितों की शुरुआती सूची में भी नहीं था। वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके दो बच्चे हैं। वे किराए के मकान में रहते हैं और हमें सरकार से कोई सहायता नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मोहसिन का पूरा शरीर जल गया था। केवल उनका चेहरा ही पहचाना जा सका, जिससे हम शव की शिनाख्त कर पाए। मोहसिन के बहनोई ने बताया कि जब विस्फोट के बारे में पता चला, तब वह अहमदाबाद में थे। मोहसिन के बच्चे बहुत छोटे हैं। परिवार दिल्ली में किराए के मकान में रह रहा था। सरकार ने घोषणाएं की हैं, लेकिन हमें अभी तक कोई मदद नहीं मिली है। हम चाहते हैं कि सरकार मोहसिन के परिवार का ध्यान रखे और मुआवजे की राशि दे। मोहसिन की भाभी ने कहा कि इतनी बड़ी घटना हो गई। हमारे परिवार ने एक सदस्य को खो दिया। इस घटना में शामिल दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। मोहसिन के परिवार को भी न्याय चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पूरे मामले की गहनता से जांच करनी चाहिए, ताकि दोषियों को सजा मिल सके।

धर्मेंद्र अस्पताल से घर आए खुशी है पर, बच्चों की रातों की नींद उड़ गईं: हेमा मालिनी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता धर्मेंद्र 11 दिन तक अस्पताल में रहने के बाद घर पहुंच गए है। उनका वही इलाज चल रहा है। घर पहुंचने की इस खबर ने लोगों के चेहरे पर खुशी ला दी। लेकिन अभी धर्मेंद्र पूरी तरह ठीक नहीं हैं। धरम पाजी की सेहत को लेकर उनके परिवार और डॉक्टर दोनों ने शेयर की। हेमा मालिनी धर्मेंद्र को लेकर एक भावुक बयान दिया है। हेमा मालिनी ने अपनी भावनाएं साझा कीं। हेमा ने कहा- 'यह मेरे लिए आसान समय नहीं रहा। धरम जी की सेहत हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय है। उनके बच्चों की रातों की नींद उड़ी हुई है। ऐसे कठिन में मैं कमजोर नहीं पड़ सकती, क्योंकि मेरे ऊपर कई जिम्मेदारियां हैंज लेकिन हां, मैं खुश हूं कि वे घर लौट आए हैं। हम राहत महसूस कर रहे हैं कि वे अस्पताल से बाहर हैं। इस समय उन्हें उन लोगों के बीच रहना चाहिए, जिन्हें वे प्यार करते हैं। बाकी तो सब ऊपर वाले के हाथ में है। कृपया हमारे लिए प्रार्थना कीजिए।

डॉ प्रतित समदानी ने बताया था कि 89 साल के धर्मेंद्र को डिस्चार्ज किया गया है और अब उनका इलाज और रिकवरी घर पर ही चलेगी। हेमा मालिनी ने इस मुश्किल वक्त पर अपनी भावनाओं को शेयर किया। उन्होंने ही-मैन का हेल्थ अपडेट के साथ घरवालों का हाल भी बताया। धर्मेंद्र अस्पताल में जब तक भर्ती रहे। तब तक पूरा देओल परिवार एक दिखा। सनी-बॉबी से लेकर ईशा और हेमा मालिनी सभी अस्पताल में उनके लिए आते-जाते नजर आए। 11 दिनों के बाद अब धरम पाजी घर पहुंच गए हैं। उनके घर पहुंचने के बाद जहां रिश्तेदारों और सिनेमा इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का आना जाना लगा हैं।

जेल से आते ही पार्थ चटर्जी ने कबूला अर्पिता से 'खास रिश्ता', कहा- टीएमसी में और कई हैं ऐसे, दीदीमोनी को भी है पता

कोलकाता (एजेंसी)। तीन साल बाद ज़मानत पर रिहा हुए पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी (73) ने यह स्वीकार करके राज खोल दिया है कि मामले की सह-आरोपी अर्पिता मुखर्जी उनकी प्रेमिका थीं। उन्होंने आगे दावा किया कि बंगाल में कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों की अपनी शादी के बाहर रंगीन रोमांटिक ज़िंदगी है और यहाँ तक कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी इसकी जानकारी है। सरकार उस समय शर्मसार हो गई थी जब प्रवर्तन निदेशालय ने अर्पिता के फ्लैटों से 50 करोड़ रुपये बरामद किए थे, जिसके बाद घोटाले के सिलसिले में अर्पिता और पार्थ दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था। सेक्स टॉयज़ की बरामदगी भी अफवाहों का बाजार गर्म करने वाली रही। जेल से रिहा होने के बाद एक मीडिया चैनल को दिए गए एक विस्फोटक साक्षात्कार में, ममता बनर्जी के पूर्व करीबी सहयोगी ने स्वीकार किया कि अर्पिता उनकी प्रेमिका है और सवाल किया कि 33 साल की प्रेमिका होने में क्या गलत है, जब तृणमूल कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता, विवाहित होने के बावजूद, दो से अधिक प्रेमिकाएँ रखते हैं। सोवन चटर्जी और तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय जैसे वरिष्ठ नेताओं की ओर इशारा करते हुए पार्थ ने कहा क्या आपको लगता है कि दीदीमोनी (ममता बनर्जी) को इसके बारे में पता नहीं है?

आतंकी की गर्लफ्रेंड डॉक्टर शाहीन का एक ही डायलॉग था... कुछ बड़ा करना है...

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के लालकिले के पास सोमवार शाम हुए कार धमाके से ठीक एक दिन पहले गिरफ्तार हुई लखनऊ की डॉ. शाहीन ने वर्षों पहले ही अपने इरादे जता दिए थे। कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में फार्माकोलॉजी विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष रहीं शाहीन का व्यवहार 2009 में कन्नौज तबादले के बाद पूरी तरह बदल गया। साथी डॉक्टरों और स्टाफ को अब समझ आ रहा है कि कुछ बड़ा करना है कहकर वह क्या संकेत दे रही थीं। आतंकी संगठन से जुड़ाव और दिल्ली ब्लास्ट में भूमिका के खुलासे ने पूरे मेडिकल समुदाय को स्तब्ध कर दिया है।

शाहीन सात साल तक जीएसवीएम में प्रोफेसर रहीं। 1 सितंबर 2012 से 31 दिसंबर 2013 तक विभागाध्यक्ष भी रहीं। कन्नौज मेडिकल कॉलेज में छह माह का तबादला उनके लिए सजा जैसा था। वे स्पष्ट कहती थीं, कन्नौज से कानपुर या लखनऊ नहीं हुआ तो नौकरी छोड़ दूंगी। सूत्रों के अनुसार, कन्नौज में भी वे ज्यादातर कानपुर में ही दिखती थीं। विदेशी जीवनशैली पसंद करने वाली शाहीन भारत में रहना नहीं चाहती थीं। अक्सर कहतीं, मैंने जितने सपने देखे, एक-एक कर पूरा करूंगी। कुछ बड़ा काम करना है।कॉलेज परिसर के एल-29 आवास में पति डॉ. जफर हयात और दो बेटों के साथ रहने वाली शाहीन दूसरी मंजिल से नीचे कम ही उतरती थीं। बच्चों को भी दूसरे डॉक्टरों के बच्चों से घुलने-मिलने नहीं देती थीं। सहकर्मियों की टोकाटोकी पर बहानेबाजी करतीं। कन्नौज से लौटने के बाद विभागीय काम में रुचि खत्म हो गई। मेरिट से मिले फार्माकोलॉजी में शुरुआत में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन जल्द ही शांत और अलग-थलग हो गईं। किसी न किसी बहाने छुट्टी मांगती रहतीं। बिना बताए गायब होने पर फटकार भी लगी, मगर सुधार नहीं हुआ।

एटीएस अब परत दर परत शाहीन का अतीत खंगाल रही है। मंगलवार को लखनऊ पैतृक घर और कानपुर कॉलेज के बाद बुधवार को प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज पहुंची, जहां से शाहीन ने 2002 में एमबीबीएस और 2006 में फार्माकोलॉजी में एमडी की। तीन सदस्यीय खुफिया टीम ने प्रशासनिक भवन, हॉस्टल, प्रवेश रिकॉर्ड, इंटर्नशिप दस्तावेज से लेकर सहपाठियों के नंबर तक जुटाए। पूछताछ में पता चला कि पढ़ाई के दौरान शाहीन शांत लेकिन तेज छात्रा थीं। क्या किसी संगठन से जुड़ाव था? कॉलेज के बाहर किससे मिलती थीं? पढ़ाई के बाद प्रयागराज आईं या नहीं? ऐसे सवालों की गहन जांच हो रही है। कॉलेज प्रशासन टीम के दौरे पर चुप्पी साधे है। सोशल मीडिया पर शाहीन की पुरानी ग्रुप फोटो वायरल हो रही है। प्रयागराज मेडिकल कॉलेज की पार्टी में खींची तस्वीर में वह दो छात्राओं और सात छात्रों के साथ हैं। आतंकवाद की निंदा करते कमेंट्स के बीच लोग हैरान हैं कि एक होनहार डॉक्टर आतंक की राह पर कैसे पहुंची। कानपुर, प्रयागराज और लखनऊ- तीनों मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसर, स्टाफ और छात्र सदमे में हैं। शाहीन के अचानक गायब होने का रहस्य अब खुल रहा है, लेकिन कुछ बड़ा करने की उनकी महत्वाकांक्षा ने देश को हिला दिया।

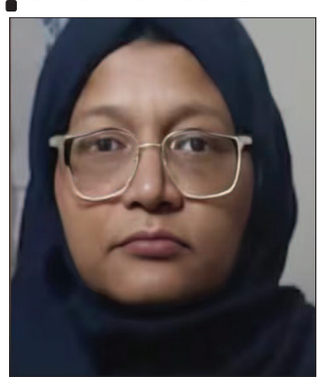

संपादकीय

आतंकवाद के डाक्टर

परिस्थितिजन्य तफसील से यह स्पष्ट हो चुका है कि दिल्ली विस्फोट 'आतंकी हमला' ही था। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। सामान्य धमाके में साजिशकार नहीं होते। बुधवार को प्रधानमंत्री की ही अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक हुई। अक्सर यह युद्ध और आतंकी हमले के बाद ही बुलाई जाती है। इस समिति में प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, विदेश मंत्री, वित्त मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदि होते हैं। युद्ध की स्थिति में तीनों सेना प्रमुखों को भी बुलाया जाता है। गृह सचिव और आईबी निदेशक भी बैठक में सम्मिलित होते हैं। दिल्ली विस्फोट की जांच 'राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी' (एनआईए) को सौंपी गई है, जिसे आतंकी हमलों की गहन जांच की विशेषज्ञता हासिल है। इस संदर्भ में फरीदाबाद की 'अलफलाह यूनिवर्सिटी' आतंकवाद के नए अड्डे के तौर पर उभरी है। फरीदाबाद के गांवों से जो 2900 किग्रा. विस्फोटक रसायन बरामद किया गया था, उसकी भूमिका भी साफ हो गई है। जो डॉ. उमर मुहम्मद कार-विस्फोट में मारा गया है, वह इसी मेडिकल यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वह जिस तरह मरा है, उसे हम एक नए किस्म का 'फिदायीन बॉम्बर' मान सकते हैं, क्योंकि उसकी कार में विस्फोटक था और उसी ने उसे सक्रिय किया होगा! जांच से बिल्कुल पारदर्शी स्पष्ट हो जाएगा। उमर कश्मीर के पुलवामा के कोइल गांव का निवासी था। विस्फोटक रसायन वाला आतंकी डॉ. मुजम्मिल शकील भी इसी गांव का रहने वाला था। वह इस आतंकी यूनिवर्सिटी में ही एसोसिएट प्रोफेसर था। तीसरा डॉ. सज्जाद अहमद भी पुलवामा का था। अलफलाह यूनिवर्सिटी में ही 45 वर्षीया डॉ. शाहीन सईद पदस्थ थी और एमबीबीएस, एमडी स्तर की फार्मकोलॉजी विशेषज्ञ थी। वह जैश-ए-मुहम्मद के सरगना आतंकी मसूद अजहर और उसकी बहन सादिया के नेतृत्व में आतंकी संगठन की महिला विंग 'जमात उल मोमिनात' की भारत में मुखिया थी। उसे संगठन में 'जेहादी औरतों' की भर्ती का जिम्मा दिया गया था। उसके भाई डॉ. परवेज को भी उप्र एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया है। 38 वर्षीय डॉ. आदिल कश्मीर के काजीकुंड का निवासी था और सहारनपुर, उप्र में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर था। यदि कश्मीर के नौगाम में जैश के धमकी वाले पोस्टर नहीं लगते, तो शायद आतंकवाद के 'डॉक्टर मॉड्यूल' का पदार्फाश न होता! इस गिरोह के 8 आर्तकियों में 4 डॉक्टर कश्मीरी, 2 उप्र के हैं और दो मौलवी-इमाम शामिल हैं। सभी पुलिस की गिरफ्त में हैं। उमर विस्फोट में भस्म हो चुका है।

चिंतन-मनन

सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिमरुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है।

कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है।

सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बचपन के रंगों में रचा-बसा था नेहरू जी का जीवन दर्शन

श्वेता गोयल

जब प्रधानमंत्री बने बच्चों के खेल के साथी... भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की शख्सियत से भला कौन परिचित नहीं होगा। बच्चों से उन्हें इतना लगाव था कि उन्हें प्यार से 'बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू' कहा जाने लगा था। अपने कोट की जेब पर हमेशा प्रेम का प्रतीक गुलाब का फूल लगाए रहने वाले जवाहरलाल नेहरू बच्चों से इतना स्नेह करते थे कि आज भी वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री से पहले 'चाचा नेहरू' के रूप में ही अधिक याद किए जाते हैं। बच्चों के प्रति पंडित नेहरू के इस विशेष लगाव को देखते हुए ही सन् 1956 से उनके जन्मदिन को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था और तभी से पंडित नेहरू का जन्मदिवस (14 नवंबर) बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जब उनके जन्मदिवस को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था, तब नेहरू जी ने कहा था, 'मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरे देश के बच्चों ने मेरे जन्मदिन को ही 'अपना दिन' बना लिया है। इससे ज्यादा इज्जत और खुशी की बात भला मेरे लिए और क्या हो सकती है कि मेरे मुल्क के बगीचे के इन कोमल फूलों और कोंपलों ने मुझे अपना इतना स्नेह दिया है। मेरी यही कामना है कि इन सबको फलने-फूलने का पर्याप्त अवसर मिले।'

पं. जी के जीवनकाल के अनेक ऐसे संस्मरण एवं किस्से उद्धृत किए जा सकते हैं, जो उनकी महान शख्सियत और बच्चों के प्रति उनका अपार स्नेह बयान करते हैं। एक बार नेहरू जी बाल मंदिर देखने गए थे, जहां तीन से पांच साल तक के बच्चे पढ़ते थे। उस समय सभी बच्चे नाच-गाने में मग्न थे। जब पंडित जी वहां पहुंचे और दूर बैठकर बच्चों का नाच-गाना देखने लगे तो एक चार वर्षीया बालिका उनके पास आई और बड़े अनुरोधपूर्वक कहा कि आप भी हमारा साथ दीजिए। पहले तो पंडित जी काफी ना-नुकूर करते रहे। उन्होंने बच्चों को यह कहकर बहलाने का प्रयास भी किया कि इस बार तो नहीं लेकिन अगली बार तुम्हारे साथ जरूर नाचूंगा लेकिन जब उस बच्ची ने जिद पकड़ ली तो आखिर पंडित जी को उस छोटी सी बच्ची के आगे झुकना पड़ा और इतने विशाल देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी उन बच्चों की खुशी के लिए उनके साथ वे बच्चा बनकर नाचे।

जब दीवाली का मौका होता तो वे अपने नाती राजीव और संजय के बाल मित्रों को आनंद भवन बुलाते और उनके साथ दीवाली मनाते हुए कहते कि बच्चों आतिशबाजी चलाकर दीपावली मनाओ और खुशियां बांटो। जो बच्चे पटाखे चलाते हुए डरते, उन्हें कहते कि जो बच्चे इन छोटे-छोटे पटाखों से ही डर जाएंगे, वे आगे चलकर देश के बहादुर सिपाही कैसे बनेंगे? कभी-कभी वह इलाहाबाद में दीवाली की रात बाहर का नजारा देखने निकल पड़ते और रास्ते में गरीब बच्चों को भी मिठाईयां, नए कपड़े और पटाखे देते हुए उनके साथ पटाखे चलाने लगते।

एक बार उन्हें किसी जरूरी काम से दीवाली पर मास्को जाना पड़ा। उस समय तक वहां दीवाली के मौके पर पटाखे नहीं चलाए जाते थे लेकिन पंडित जी की दीवाली तो बच्चों के साथ पटाखे चलाए बिना अधूरी थी। इसलिए उन्होंने वहां भी बच्चों से पटाखे मंगवाए और काफी बच्चों को एकत्रित कर उनके साथ पटाखे चलाने लगे। वहां के बच्चे पटाखों की रंग-बिरंगी रोशनी और धूमधड़ाके से बहुत प्रभावित हुए और खुशी से झूम उठे। उसके बाद से मास्को में भी हर साल दीवाली के मौके पर पटाखे चलाने का दौर शुरू हो गया।

नेहरू जी छोटे थे, तब की एक घटना है। एक बार मैदान में कुछ बच्चे गेंद से खेल रहे थे। खेलते-खेलते गेंद उछलकर लकड़ी के एक खोल में जा गिरी। खोल का मुंह छोटा था, इसलिए बच्चों से बहुत कोशिश के बाद भी गेंद नहीं निकल पा रही थी। जब नेहरू जी ने बच्चों की परेशानी को देखा तो उनसे रहा न गया। उन्होंने उन बच्चों से दो बाल्टी पानी मंगवाया और पानी लकड़ी के उस खोल में भर दिया। फिर क्या था, पानी भरते ही गेंद पानी में ऊपर आ गई और उन्होंने गेद निकालकर बच्चों को दे दी। सभी बच्चे बालक जवाहरलाल की बुद्धिमत्ता से बहुत प्रभावित हुए।

बच्चों के साथ-साथ देश और जनता से भी नेहरू जी बहुत प्यार करते थे और यही कारण था कि अधिकांश देशवासी भी उनसे उतना ही स्नेह करते थे और उन्हें आदर-सम्मान देते थे, जितना बच्चे देते थे। 74 वर्ष की आयु में 27 मई 1964 को पंडित जी स्वर्ग सिधार गए लेकिन अपने निधन से पूर्व अपनी वसीयत में उन्होंने लिखा, 'मेरे मरने के बाद मेरी अस्थियां देश के उन खेतों में बिखेर दी जाएं, जहां भारत का किसान अपना पसीना बहाता है ताकि वे देश की मिट्टी में मिल जाएं।' ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू!

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

साजिश :जिंदगी बचाने वाले डॉक्टर कैसे बने आतंक के सौदागर?

मनोज कुमार अग्रवाल

लालकिला विस्फोट साजिश मामले में उच्च शिक्षित छह डॉक्टरों के नाम जुड़ जाने के बाद कई मिथक टूट रहे हैं जैसे अशिक्षा और बेरोजगारी आतंकवाद को जन्म देती है आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। इस मामले में शिक्षित और लाखों मासिक की तनख्वाह पाने वाले सभी मुस्लिम दहशतगर्दी की साजिश से जुड़े मिले हैं। सवाल है कि इन्हें कौन रेडिक्लाइज (उग्र कट्टरपंथी) बना रहा है? जिंदगी देने वाले डॉक्टर ही दहशत फैलाने का औजार कैसे बन गए? ये कौन सी मजहबी तालीम है जो उच्च शिक्षित एम डी डॉक्टर्स का भी ब्रेनवॉश कर उन्हें दहशत फैलाने के नापाक मंसूबों से जोड़ देती है? पिछले कुछ दिनों से देश के अलग-अलग शहरों में आर्तकियों की गिरफ्तारी और विस्फोटक सामग्रियों की बरामदी के बीच सोमवार शाम को लाल किले के पास जोरदार धमाका होना इस बात का प्रमाण है कि संभवत आर्तकियों ने इस घटना को बौखलाहट में अंजाम दिया है, लेकिन इसके साथ यह भी साबित होता है कि आतंकी देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जड़े जमा चुके है। आतंक का जाल पूरे देश में फैल चुका है। दिल्ली में लाल किले के पास हुए जोरदार धमाके में 12 लोगों की मौत और दो दर्जन से ज्यादा लोगों का घायल होना काफी दुःखद और हृदयविदारक घटना है, क्योंकि यह विस्फोट इतना भयानक था कि लोगों के चिथड़े उड़ गए। धमाके की वजह साफ नहीं है, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने इस संबन्ध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि आर्तकियों ने ही अपने नापाक मनसूबों को अंजाम दिया है।

संभवत दिल्ली में विस्फोट कर आतंकी पूरे देश में यह संदेश देना चाह रहे हैं कि तमाम गिरफ्तारियों के बीच उनका मनोबल गिरा नहीं है। दिल्ली, जो देश की प्रशासनिक और राजनीतिक धुरी है, में लाल किले जैसा ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक स्थान पर धमाका होना, सीधे-सीधे देश की सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया एजेंसियों को चुनौती है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में व्यापक छापेमारी चल रही थी और सात संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। इसलिए यह मानना तर्कसंगत होगा कि यह धमाका आर्तकियों की बौखलाहट में की गई कार्रवाई हो सकती है, लेकिन इसकी भयावहता इस बात में है कि यह दिखाता है कि नेटवर्क अब भी सक्रिय और संगठित है। आंकड़े और घटनास्थल की विस्तृत जानकारी ने यह संकेत दिया है कि यह कोई साधारण विस्फोट या हमला नहीं था, बल्कि लंबी परतों में फैला एक नेटवर्क चल रहा था। देश में विभिन्न स्थानों से कुल मिलाकर लगभग तीन टन के आसपास विस्फोटक पदार्थ और संबंधित सामग्री बरामद हुई है, और मामला एक व्हाइट कलर आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा बताया जा रहा है यानी प्रोफेशनल्स, छात्र और नागरिक का भी शामिल होना समझ को झकझोर देता है। सबसे स्तब्ध करने वाली बात यह है कि जिन लोगों पर संदेह हुआ उनमें मेडिकल डॉक्टर भी शामिल थे। रिपोर्ट बताती ताती हैं कि अनंतनाग के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज से एके-47 राइफल बरामद की गई और दो-तीन डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद यहीं से छानबीन आगे बढ़ी। जिन डॉक्टरों का नाम सामने आया है, उनमें अब जिन्हें हिरासत में लिया गया जिस कार में विस्फोट किया गया उसे भी एक डॉक्टर उम्र चला रहा था कुल छह डॉ के नाम सामने आ चुके हैं। इस से पता चल रहा है कि कैसे ईमानदार पेशेवर आड़ लेकर संवेदनशील स्थानों और सामाजिक विश्वास के ऊपर से भी आतंकी गतिविधियों को संचालित किया जा सकता है। इससे पहले गुजरात से तीन आर्तकियों को गिरफ्तार किया गया था, जिन्होंने पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं। आर्तकियों ने हमले की तैयारी के लिए अहमदाबाद, लखनऊ और दिल्ली जैसे शहरों की रेकी की थी और आतंकी घटनाओं से इन्हें दहलाने की साजिश भी रची थी। आर्तकियों के मुताबिक अहमदाबाद के भीड़भाड़ वाले इलाकों का नक्शा तैयार किया गया था। वहीं लखनऊ में आरएसएस के कार्यालय को भी निशाना बनाने के मंसूबे थे। दिल्ली में आर्तकियों की नजरें आजादपुर मंडी इलाके पर थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आतंकी राइसिन नामक जहर बना रहे थे जिससे हजारों लोगों को जान से मारने की तैयारी थी। पुलिस पूछताछ में एक अहम खुलासा यह भी हुआ था कि आतंकवादी आजाद शेख एक हफ्ते तक जम्मू-कश्मीर में रहा था, जहां पर उसने कुछ संवेदनशील इलाकों की जानकारियां भी जुटाई थीं। आर्तकियों ने हर जगह पर मौसम, शहरी बनावट और ट्रैफिक की पुख्ता जानकारी जुटाई थी। सभी आतंकी पाकिस्तान से संपर्क में थे और अपने आकाओं के इशारों पर काम कर रहे थे। पाकिस्तानी आकाओं के इशारों पर ही आर्तकियों ने भारत में बड़े नरसंहार की योजना रची थी। वह लोगों को राइसिन नाम का जहर देकर मारने की प्लानिंग कर रहे थे। आतंकी अहमद सैयद कई दिनों से राइसिन पॉइजन इकट्ठा कर रहा था, ताकि मंसूबों को अंजाम दिया जा सके। निःसंदेह यह दौर बहुआयामी चुनौतियों का है। एक ओर केंद्र तथा राज्य एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई और अंतर-एजेंसी समन्वय का जो नमूना हमें इन छापों से दिखा, वह सराहनीय है, सही सूचना-इंटेलिजेंस के भरोसे तेजी से छापे हुए गए और संभावित बड़े हादसों को रोका गया। दूसरी ओर यह भी स्पष्ट है कि हमारी जांच-विधान, संस्थागत निगरानी और पंजीकरण तंत्र में ऐसे षड्यंत्रों को पकड़ने-समेत रोकने के लिए और सुधार की जरूरत है। आज जिस तरह से आतंकवाद का चेहरा परिवर्तित हो रहा है, निःसंदेह वह भयभीत करने वाला है। लेकिन इससे कल होशियार होना भी आसान है, क्योंकि जब हमें पता चल गया है कि डॉक्टर, प्रोफेशनल्स, छात्र संघ, कहीं-कहीं सामान्य दिखने वाला व्यक्ति भी हमारी सुरक्षा व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है, तो हमें सिर्फ चिन्ता नहीं करनी, बल्कि सटीक कार्रवाई करनी होगी। आतंक को मात देने का समय अब है। हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना, बल्कि आगे बढ़ना है, सामूहिक रूप से, सतर्क रूप से, अडिग रूप से। मगर इतना तय है कि लाल किले के पास धमाका कोई साधारण घटना नहीं है, यह एक तरह से देश पर हमला है। यह हम सबको यह याद दिलाता है कि आतंक का जाल अब हमारी गलियों, विश्वविद्यालयों, डिजिटल चैट ग्रुपों और वित्तीय तंत्रों में घुस चुका है। अब यह युद्ध सिर्फ सैनिकों या पुलिस का नहीं, बल्कि नागरिक समाज, तकनीकी संस्थानों, शिक्षकों, और नीति निमार्ताओं सहित हम सबका है। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना होगा जहां सुरक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि विश्वास, शिक्षा, न्याय और एकता से सुनिश्चित की जाए। आतंकवाद को हराने का अर्थ सिर्फ आर्तकियों को मारना नहीं, बल्कि उस मानसिकता को खत्म करना है जो उन्हें जन्म देती है। इसके लिए सबसे पहले खुफिया एजेंसियों को देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ना होगा और यह काम सभी केंद्र और राज्य एजेंसियों को मिलकर करना होगा। यह काम आम नागरिकों के सहयोग के लिए बिना संभव नहीं है। देश के राजनीतिक पार्टियों को भी चाहिए कि इस विषय पर राजनीति नहीं करते हुए सरकार का साथ दें। आतंकवाद पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं हो। हकिकत यह है कि भारत का हर नागरिक, सुरक्षा संस्था और राज्य प्रशासन मिलकर इस खतरे को तब तक नहीं जीत सकते जब तक हम इसके स्रोत, नेटवर्क, लॉजिक और सहयोगियों तक पहुंच नहीं पाते। हमें एक रणनीति के साथ काम करना होगा, जहां आतंक सिर्फ दवाया नहीं जाए, बल्कि जड़ से उखाड़ दिया जाए। सभी के सहयोग से ही देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ा जा सकता है लेकिन उच्च शिक्षित डाक्टरों का आतंकी तंजीम से जुड़न बेहद चौकाने वाला और गहन चिंता का विषय है।

ऋण के जाल में फंसे देशों से भारत के राज्यों को मिलती है सीख

वैश्विक स्तर पर कई विकासशील एवं अविकसित देशों पर लगातार बढ़ रहे ऋण के दबाव के चलते इन देशों की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। इन देशों द्वारा अपने नागरिकों को लम्बे समय तक मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराना जारी रखा गया है एवं यहां की सरकारों द्वारा अपने आय के साधनों में पर्याप्त वृद्धि नहीं की गई है। नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को ऋण लेकर भी जारी रखना अब इन देशों के लिए आत्मघाती निर्णय साबित होता हुआ दिखाई दे रहा है, और आज यह देश दिवालिया होने के मुहाने पर खड़े हैं तथा इन्हें अपना सामान्य प्रशासन चलाने के लिए खर्च करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक आंकलन के अनुसार, अक्टूबर 2025 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद का 98.9 प्रतिशत सार्वजनिक ऋण बकाया है, जो वर्ष 2030 तक 102.3 प्रतिशत तक बढ़ जाने की सम्भावना है। विभिन्न देशों के सार्वजनिक ऋण, आय से अधिक खर्च करने की प्रवृति, अधिक ब्याज दर, आय में कम वृद्धि होना, आदि कारकों के चलते लगातार बढ़ता जा रहा है। विकासशील एवं अविकसित देश अपनी आय में वृद्धि नहीं कर पाते हैं परंतु, उन्हें अपने नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए खर्च लगातार बढ़ाते रहना होते हैं। इन्हीं कारणों के चलते श्रीलंका, अर्जेंटीना, सूडान, ग्रीस, मालदीव, सेनेगल, आदि देशों में तो आर्थिक आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी थी एवं विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थानों द्वारा इन देशों की मदद के लिए आगे आना पड़ा था, अन्यथा यह देश लगभग दिवालिया घोषित होने की स्थिति में पहुंच गए थे। वर्ष 2025 में विश्व के प्रथम 10 देशों में, जिनका ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत सबसे अधिक है, शामिल हैं- जापान (229.6 प्रतिशत), सूडान (221.5 प्रतिशत), सिंगापुर (175.6 प्रतिशत), ग्रीस (146.7 प्रतिशत), बहरीन (142.5 प्रतिशत), इटली (136.8 प्रतिशत), मालदीव (131.8 प्रतिशत), अमेरिका (125 प्रतिशत), सेनेगल (122.9 प्रतिशत) एवं फ्रान्स (116.5 प्रतिशत)। ग्रीस, घाना, हैती, मोजांबीक, पाकिस्तान, जाम्बिया, फिलिपींस, श्रीलंका, कीन्या, अर्जेंटीना, आदि देशों द्वारा अधिक मात्रा में लिए गए ऋण के चलते इनकी वित्तीय स्थिति डावांडोल हो चुकी है। इन देशों द्वारा अपने खर्चों को व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया था एवं केवल जनता को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराना लम्बे समय तक जारी रखा गया था तथा साथ में आय बढ़ाने के साधनों पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इससे इन देशों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता रहा तथा मजबूरी में इन्हें अपने साधारण सरकारी कामकाज चलाने के लिए भी ऋण लेते रहना पड़ा है। वर्ष 2001 में युगांडा में वित्तीय संकट खड़ा हो गया था एवं उस समय पर युगांडा अपने सामान्य खर्चों को जारी रखने के स्थिति में भी नहीं था।

भारत में भी कुछ राज्य 'फ्रीबी' के नाम पर कुछ ऐसी योजनाएं चला रहे हैं जिनके अंतर्गत राज्य की जनता के बिजली एवं पानी के बिल समय समय पर माफ किये जा रहे हैं। किसानों, बुजुर्गों एवं मातृशक्ति के बैंक खातों में सीधे ही कुछ राशि प्रति माह जमा की रही है। जबकि, इन राज्यों की वित्तीय स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि इनके बजट इस अतिरिक्त खर्च को वहन कर सकें। कुछ राज्य तो आज मजबूरी में इन योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए बाजार से ऊंची ब्याज दर पर ऋण भी लेने लगे हैं। जिसका प्रभाव इन राज्यों की वित्तीय स्थिति पर विपरीत रूप से पड़ रहा है। यदि समय पर ये राज्य नहीं चेते एवं इन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं किया तो ये राज्य अपने भारी भरकम ऋणों पर ब्याज अदा करने में चूक करने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। जाहिर तौर पर जब राज्यों की आर्थिक स्थिति की चर्चा होती है तो इसका असर राज्यों के विकास और इन राज्यों में निवास कर रहे नागरिकों के जीवन पर भी पड़ता है। लोकलुभावन राजनीति इन राज्यों की वित्तीय स्थिति को बहुत बुरे तरीके से प्रभावित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन में भी राज्यों की वित्तीय स्थिति को लेकर कई गंभीर पहलु और सवाल खड़े किए गए हैं। विशेष रूप से पंजाब, केरल, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल आदि राज्य बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबे जा रहे हैं और इन राज्यों की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही के समय में पंजाब, केरल, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की वित्तीय सेहत बहुत बिगड़ी है।

सभी राज्यों की वित्तीय सेहत का विस्तार से आकलन करने पर ध्यान में आता है कि कई राज्यों द्वारा अनियंत्रित रूप से चलाई जा रही मुफ्त योजनाओं, लोकलुभावन घोषणाओं, अत्यधिक सब्सिडी देने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली से इन राज्यों की वित्तीय सेहत बहुत बुरी तरह से बिगड़ रही है। राज्य, विशेष रूप से सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से, कई लोकलुभावन घोषणाएं करते हैं जैसे कि बिजली एवं पानी मुफ्त में उपलब्ध कराने का वादा, उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान करने का वादा आदि जिसका सीधा असर राज्य की माली हालत पर पड़ता है। पंजाब की आर्थिक स्थिति पूर्व में ही बहुत गम्भीर अवस्था में पहुंच चुकी है फिर वहां नई सरकार ने किए गए चुनावी वादे अर्थात मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कार्य करना शुरू कर दिया है जिससे पंजाब की स्थिति निश्चित रूप से और अधिक बिगड़ने जा रही है और पंजाब को ऋण की किश्त एवं ऋणों पर ब्याज अदा करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। किन परिस्थितियों में, कितने प्रकार की, कितनी और किस स्तर तक लोक लुभावन घोषणाएं की जानी चाहिए, इस सम्बंध में अब नियम बनाने का समय आ गया है। वैसे यदि ऋण को उत्पादक कार्यों पर खर्च किया जाय तो अधिक ऋण-सकल घरेलू अनुपात अपने आप में बुराई नहीं है परंतु जब ऋण लेकर इसे अनुत्पादक कार्यों जैसे मुफ्त बिजली एवं मुफ्त पानी उपलब्ध कराने जैसे कार्यों पर खर्च किया जाता है तो इसका राज्य की आर्थिक व्यवस्था पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। चुनावों के वादे पूरे करने के लिए राज्यों द्वारा ऋण लिए जा रहे हैं। इन्हीं कारणों के चलते पंजाब की आर्थिक हालत आज बहुत ही दयनीय स्थिति में पहुंच गई हैं। देश के कई राज्य आज ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि इन राज्यों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक मदद यदि समय पर नहीं पहुंचाई जाती तो इन राज्यों की स्थिति भी आर्जेंटीना, श्रीलंका अथवा ग्रीस जैसी बनती दिखाई देती। कुछ राज्यों की स्थिति तो यह है कि इनके रोजमर्रा के खर्चे चलाने के लिए उनकी कुल आय का 90 प्रतिशत भाग इन खर्चों पर उपयोग हो जाता है जिसके परिणाम स्वरूप राज्य के विकास कार्यों पर खर्च करने को कुछ बचता ही नहीं है। अब इन राज्यों की आय कैसे बढ़े? इन राज्यों द्वारा लगातार की जा रही लोक लुभावन घोषणाओं के कारण इन राज्यों के खर्चे लगातार अनियंत्रित रूप से बढ़ते जा रहे हैं। इस तरह के खर्चों को करने के लिए नित नए ऋण लिए जा रहे हैं और इन ऋण राशि का उपयोग उत्पादक कार्यों में नहीं लगा पाने के कारण ये राज्य अपनी आय में वृद्धि भी नहीं कर पा रही हैं। इस प्रकार ये राज्य 'डेट ट्रैप' की स्थिति में फंसते जा रहे हैं। आय का 25 से 30 प्रतिशत भाग ऋण का ब्याज भुगतान करने में ही खर्च हो रहा है। पंजाब तो अब आर्थिक मदद के लिए केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगा रहा है। इसी तरह राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की स्थिति भी बिगड़ रही है। अगर राज्य पूंजीगत खर्च नहीं कर रहे हैं तो अपना भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं। इस प्रकार तो भविष्य में इन राज्यों की विकास दर भी रुक जाने वाली है।

न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने किया खेलों का शुभारंभ

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- न्याय पंचायत स्तरीय दढ़ियाल की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन संविलियन विद्यालय दढियाल खादर के मैदान पर किया गया। खेलों का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।खेलों का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह एवं जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर किया। खेलकूद प्रतियोगिता में न्याय पंचायत के सभी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। और खेलों में अपने जौहर दिखाएं। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 50 मीटर दौड़ में सुनील प्राथमिक विद्यालय मरौरा प्रथम,दीपांशू संविलियन विद्यालय दढियाल खादर द्वितीय एवं 100 मीटर दौड़ में सुनील प्राथमिक विद्यालय मरौरा प्रथम,शिवकांत प्राथमिक विद्यालय सलारा द्वितीय स्थान पर रहा। जबकि 200 मीटर दौड़ में प्रदीप प्राथमिक विद्यालय जीवपुर प्रथम स्थान पर रहा। जबकि बालिका वर्ग प्राथमिक स्तर में 50 मीटर दौड़ में दीपिका शर्मा प्राथमिक विद्यालय दढ़ियाल-2 प्रथम एवं गुंजन प्राथमिक विद्यालय भावली द्वितीय स्थान पर रही। जबकि 100 मीटर दौड़ में फिजा संविलियन विद्यालय दढियाल खादर प्रथम एवं मोनिका प्राथमिक विद्यालय जीवपुर द्वितीय स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में मोनिका प्राथमिक विद्यालय जीवपुर प्रथम, दीपिका शर्मा प्राथमिक विद्यालय दढ़ियाल--2 द्वितीय स्थान पर रही। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 100 मीटर दौड़ में मुनेश उच्च प्राथमिक विद्यालय मरौरा प्रथम, जयपाल उच्च प्राथमिक विद्यालय मलकपुर द्वितीय स्थान पर रहा जबकि 200 मीटर दौड़ में अर्जुन संविलियन विद्यालय दढियाल खादर प्रथम व विपिन संविलियन विद्यालय मरौरा द्वितीय स्थान पर रहा। 400 मीटर दौड़ में अर्जुन संविलियन विद्यालय दढियाल खादर प्रथम एवं मुनेश संविलियन विद्यालय मरौरा द्वितीय स्थान पर रहा। लम्बी कूद में उच्च प्राथमिक विद्यालय शिवम संविलियन विद्यालय काई ऐतमाली प्रथम स्थान पर रहा। जबकि बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में निशा उच्च प्राथमिक विद्यालय भावली प्रथम,दीपांशी संविलियन विद्यालय मरौरा द्वितीय स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में निशा उच्च प्राथमिक विद्यालय भावली प्रथम,अलिशासंविलियन विद्यालय दढियाल खादर द्वितीय स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में फिजा संविलियन विद्यालय दढियाल खादर प्रथम एवं वीरवती उच्च प्राथमिक विद्यालय गुरैठा खादर द्वितीय स्थान पर रही। इस अवसर पर खेल प्रभारी हरिओम सिंह, वरिष्ठ संकुल शिक्षक प्रमोद कुमार,संजय सिंह,संकुल शिक्षक वसीम हैदर जैदी,प्रशांत सिंह, एआरपी महीपाल सिंह ,प्रधानाध्यापक मनवीर त्यागी, सत्यपाल सिंह,डा.राजेन्द्र सिंह, अनुज कुमार,मनदीप सिंह, विजय धामा, बबलू शर्मा, रोहित कसाना,गौरव कुमार, रोशनलाल, अशोक निर्मल, मनोज कुमार शर्मा, मुकेश कुमार, हरविंदर सिंह,नीलम चौधरी, लवली, शालू,ज्योति आदि मौजूद रहे। अंत में खेल प्रभारी हरिओम सिंह ने सभी का आभार व्यक्त कर खेलों का समापन कर दिया।

मंडी धनोरा में भाकियू (लोकहित) की बैठक का आयोजन, बैठक में स्मार्ट मीटरों का विरोध

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के अंतर्गत बछरायूं चौपला चौराहे पर भारतीय किसान यूनियन लोकहित राजनैतिक की बैठक का आयोजन कराया गया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रहलाद पूनिया ने गन्ना मूल्य में केवल ड्ड30 प्रति कुंतल की वृद्धि पर सरकार के प्रति निराशा व्यक्त की। वहीं बैठक के दौरान बिजली विभाग की तरफ से लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर का भी विरोध जताया गया। आपको बता दें कि गुरुवार को आयोजित इस बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लाद पूनिया ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में भाजपा सरकार के कार्यकाल में गन्ना मूल्य में यह सबसे कम बढ़ोतरी हुई है, उन्होंने कहा कि गन्ने की खेती की लागत लगातार बढ़ रही है जिसमें मजदूरी, खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयां, सिंचाई और कटाई से लेकर मिल या क्रय केंद्रों तक पहुंचाने का खर्च शामिल है ।कई चीनी मिलें तो समय पर पैसे का भुगतान भी नहीं करती हैं। बढ़ती महंगाई को देखते हुए यूनियन ने गन्ने का मूल्य कम से कम ड्ड500 प्रति क्विंटल करने की मांग की है। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तर्क दिया कि चीनी मील गन्ने से चीनी, कागज, एथेनॉल ,जैविक खाद और बिजली जैसे कई उत्पाद बनाकर बेच रही है, लेकिन गन्ना मूल्य केवल चीनी उत्पादन के आधार पर ही तय किया जाता है, जो किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही गन्ना मूल्य को ड्ड500 प्रति कुंतल करने की मांग को लेकर एक आंदोलन शुरू किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में सरकार की स्मार्ट मीटर योजना का भी विरोध किया गया जिसे जनता पर अतिरिक्त बोझ बताया गया। बैठक के दौरान वहां पर उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार करते हुए गांव अम्हेड़ा निवासी त्रिलोक चौधरी को प्रदेश उपाध्यक्ष का पद सौंपा गया। बैठक में अतेश सिंह, मेहंदी हसन, आसिफ रायनी, प्रशांत, जसवीर सिंह ,रामचंद्र सिंह, भोला सिंह एवं प्रताप सिंह राहुल कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बीआरसी केंद्र याहियापुर,ब्लॉक अमरोहा में एलिम्को कानपुर समस्त विकास खण्ड हेतु मेजरमेंट कैम्प का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका के कुशल निर्देशन में गुरुवार को समग्र शिक्षा के अंतर्गत समेकित शिक्षा के तत्वाधान में एलिम्को कानपुर के सहयोग से दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण एवं उपस्कर उपलब्ध कराए जाने हेतु मापन शिविर का आयोजन ब्लाक संसाधन केंद्र याहियापुर ,अमरोहा पर आयोजित किया गया। कैंप में कुल 157 बच्चों का परीक्षण किया गया, तथा कैंप में लगभग 111 दिव्यांग बच्चों को उपकरण/उपस्कर चिन्हित किए गए जिसमें पीएम श्री योजना अंतर्गत 04 बच्चों को उपकरण एवं उपस्कर चिन्हित किया गया। उक्त कैंप में प्रशांत कुमार जिला समन्वयक समेकित शिक्षा एलिम्को कानपुर पुनर्वास विशेषज्ञ महेन्द्र कुमार,रवि कुमार एवं अमन, ऑडियोलॉजिस्ट सूरज कुमार , सोनू कुमार खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरोहा समस्त स्पेशल एजुकेटर मुकेश, अरविंद,सुरेंद्र , बाबू खा , शाहाना, मनीष,कविराज,सुनील, मुन्नी देवी इत्यादि , एवं बीआरसी अमरोहा के समस्त स्टाफ साहब अली ,कपिल ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।अन्त में प्रशान्त कुमार जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) ने ब्लाकों से आये हुए दिव्यांग बच्चों को जलपान कराया व कैम्प में सहयोग के लिए सभी कर्मियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आज ब्लॉक संसाधन केंद्र करनपुर में विकासखंड हसनपुर में एलिंको कानपुर के द्वारा दिव्यांग बच्चों का परीक्षण उपकरण हेतु किया जाएगा ।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति ने की अमरोहा एवं संभल की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति के माननीय सभापति डॉ0 रतन पाल सिंह के सभापतित्व में समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सदस्य विधान परिषद डॉ0 जयपाल सिंह व्यस्त, माननीय सदस्य विधान परिषद विजय बहादुर पाठक, माननीय सदस्य विधान परिषद गोपाल अंजान और जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद तथा अमरोहा एवं संभल के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभापति, सदस्यों एवं अन्यों को मोमेंटो, अंगवस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। सभापति एवं सदस्यों द्वारा बैठक में प्रस्तावित बिंदुओं के बारे में प्रस्तुतीकरण के लिए जिलाधिकारी महोदया की सराहना की गई। बैठक में रिटायर पेंशन, ग्रेच्युटी व अन्य देयकों के भुगतान की स्थिति के बारे में विभागवार जानकारी प्राप्त की गई। सभापति ने कहा कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कराएं सेवानिवृत्ति एवं मृतक कार्मिकों के देयकों के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि सभी के देयकों का भुगतान समय से किया जाए। मृतक आश्रितों के सेवायोजन सम्बन्धी प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। समिति ने बजट आवंटन के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि प्राप्त बजट को समय से खर्च किया जाए। विकास एवं निर्माण कार्यों को गति प्रदान करने के लिए जनप्रतिनिधियों के अनुभवों का लाभ उठाएं और उनके बहुमूल्य सुझाव लेकर विकास कार्यों को गति प्रदान की जाए। सुनिश्चित करें कि उद्घाटन एवं शिलान्यास के समय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए एवं शासनादेश अनुसार शिलापट्ट पर उनका नाम अंकित कराया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अन्तिम पायदान के व्यक्ति तक पहुंचे। समिति द्वारा मृतक आश्रित, पेंशन, ग्रेच्युटी और अन्य देयकों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण के लिए जिलास्तर पर समिति गठित करने निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सेवानिवृत्ति के बाद सभी देयों का भुगतान समय से किया जाए। सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए। विशेषकर दिव्यांगजन, वृद्ध एवं विधवा पेंशन से कोई पात्र लाभार्थी वंचित नहीं रहना चाहिए। अंत में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि समिति द्वारा दिए गए निदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी सम्भल गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, निजी सचिव सर्वेश चंद्र गुप्ता, उप सचिव सतीश यादव, प्रतिवेदक अभय सिंह, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, उप कृषि निदेशक, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अमरोहा एवं सम्भल के अधिकारीगण मौजूद रहे।

यातायात पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान, वाहन चालकों को दी गई नियमों की जानकारी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- यातायात माह नवम्बर के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार ने इस्लामनगर चौराहा, बहजोई पर पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को यातायात संकेत एवं नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और दुर्घटनाओं को रोकना रहा। क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार ने मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि चौपहिया वाहन चालक बिना सीट बेल्ट के वाहन नहीं चलाएं, शराब पीकर वाहन चलाने से पूरी तरह परहेज करें। इसी प्रकार दुपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट के यात्रा न करने और तीन सवारी से अधिक न बिठाने की सख्त हिदायत दी गई। उन्होंने यातायात नियमों के पालन से होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला और सभी को जागरूक किया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कुछ वाहनों को सीज करने की कार्रवाई भी की गई, जिससे अन्य चालकों में अनुशासन की भावना जागृत हुई। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया और सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। पुलिस के अनुसार यातायात माह के तहत जनपद भर में ऐसे अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए और नागरिक सुरक्षित यात्रा कर सकें। यह पहल स्थानीय स्तर पर सराहनीय कदम साबित हो रही है।

अमरोहा में स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की नगर पालिका परिषद के टाउन हॉल में नगर पालिका अमरोहा एवं बी.एल.के. मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन नगर पालिका परिषद की माननीया अध्यक्ष श्रीमती शशि जैन द्वारा फीता काटकर किया गया।इस अवसर पर बी.एल.के. मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली से आए प्रसिद्ध चिकित्सकों की टीम ने बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया। शिविर में विभिन्न रोगों की जांच, दवाइयां व सलाह दी गई।कार्यक्रम में पालिका के उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार, समस्त पालिका सभासद तथा आमजन उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। कुल 600 से अधिक आमजन व पालिका कर्मचारियों ने स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श का लाभ उठाया।यह शिविर स्थानीय नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता व सुविधा का महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। आयोजकों ने भविष्य में ऐसे शिविरों की निरंतरता का आश्वासन दिया।

परिवहन विभाग द्वारा में अनाधिकृत यात्री वाहनों के विरुद्ध चलाया अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में परिवहन विभाग द्वारा में अनाधिकृत यात्री वाहनों के विरुद्ध विशेष संयुक्त अभियान वाणिज्य कर विभाग, यातायात पुलिस और रोडवेज विभाग के जब चलाया गया। इस अभियान में परिवहन विभाग की ओर से महेश शर्मा ए आर टी ओ प्रवर्तन और सुधीर सिंह पी टी ओ ए, वाणिज्य कर विभाग की ओर से इन्द्र पाल सिंह , सुनील शर्मा, सी टी ओ , यातायात पुलिस की ओर से अनुज मलिक टी आई, दिनेश कुमार टी एस आई और रोडवेज विभाग की ओर से के सी गौड़ ए आर एम , साजिद खान स्टेशन इंचार्ज के साथ संयुक्त रूप से प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। आज यह अभियान जनपद के हाईवे पर ब्रजघाट बॉर्डर से जोया टोल तक और जोया टोल से मुरादाबाद बॉर्डर पर फोकस करके चलाया गया। आज के इस विशेष अभियान में कुल 10 यात्री वाहनों के विरुद्ध अनाधिकृत संचालन में सीज एवं चालान की कार्रवाई की गई। यह वाहन सीज करने के लिए ब्रजघाट पुलिस चौकी और रोडवेज बस स्टैंड गजरौला को उपयोग में लिया गया। इसके अतिरिक्त 45 सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन ना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। सड़क सुरक्षा नियमों जैसे हैल्मेट ना पहनना, वाहन चलाते समय मोबाइल के प्रयोग में, सड़क पर विपरीत दिशा में वाहन चलाने , बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगाकर चलाने इत्यादि के अभियोग शामिल रहे। आज कुछ वाहनों के स्वामी ए आर टी ओ प्रवर्तन से सिफारिश करवाने लगे । कुछ वाहनों के चालक वाहन को तेज रफ्तार से भागने लगे ए आर टी ओ प्रवर्तन और टी आई की टीम ने सूझबूझ और बड़ी सावधानी पूर्वक वाहनों को रूकवाया। कुछ वाहनों के चालक हाईवे से हटकर संकरे रास्ते पर चलने लगे ।लेकिन ऐसे वाहन स्वामियों को कोई लाभ नहीं मिला। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गजरौला में मिशन शक्ति 5.0 महिलाओं का स्वच्छता में योगदान के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद गजरौला एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त तत्वाधान में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु मिशन शक्ति 5.0 महिलाओं का स्वच्छता में योगदान विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय गजरौला में किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं समाज में उनके योगदान को प्रोत्साहित करना रहा।महिलाएँ अपने समुदायों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाने तथा शौचालयों के निर्माण एवं उपयोग को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देना लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं गरिमा की रक्षा होती है।इसी क्रम में बृहस्पतिवार को अंतर्गत नगर पालिका परिषद गजरौला द्वारा इस कार्यक्रम को उच्च प्राथमिक विद्यालय गजरौला मोहल्ला अवंतिका नगर में मिशन शक्ति 5.0 विशेष अभियान के अंतर्गत इस पोस्टर प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अमरोहा से विशेष अतिथि पालिका अध्यक्षा अध्यक्ष राजेंद्री उर्फ उमा देवी, पूर्व विधायक एवं नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह, अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य, प्रमोद कुमार, लेखाकार आदेश कुमार, लिपिक वंदना अग्रवाल, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेखा रानी अध्यापिका रितिका सिंघल, आईटीसी मिशन सुनहरा कल से तबरेज व शाहवाज, दीपू कुमार, पीयूष चौधरी, दीपक, विभोर जिंदल, राखी, नीतू, पूनम, सहित स्कूल की छात्राएं आदि उपस्थित रहीं। विशेष अतिथियों द्वारा विजेता एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपने सृजनात्मक
पोस्टरों के माध्यम से स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़े सशक्त संदेश प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी एवं समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा को बल मिला।

एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

महिलाओं एवं बालिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से कराया गया अवगत

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही

ह्लमिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर
डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान 12 वर्षीय बालक को रेस्क्यू कर परिजनों को सौंपा, लोगों से की अपील

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के आदेशानुसार तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार के निर्देश में जनपद संभल के थाना एएचटी टीम ने एनजीओ उम्मीद के सहयोग से चन्दौसी थाना क्षेत्र में भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य भिक्षा मांगने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना और जरूरतमंदों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर पुनर्वास को बढ़ावा देना था। अभियान का नेतृत्व थाना एएचटी निरीक्षक सत्य विजय सिंह ने किया, जिसमें उपनिरीक्षक बाबू राम सैनी, कांस्टेबल अमित कुमार, कांस्टेबल नवीन कुमार, चालक कांस्टेबल मयंक, पीओ संरक्षण अधिकारी तेजपाल सिंह (जनपद संभल), एनजीओ उम्मीद की एचओडी रैना शर्मा और सहायक

फील्ड कोऑर्डिनेटर सचिन कुमार शामिल रहे। टीम ने रेलवे स्टेशन चन्दौसी, रोडवेज बस अड्डा, मंदिर, चन्दौसी बाजार तथा अन्य भीड़-भाड़ वाली जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान एक 12 वर्षीय बालक को भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किया गया। बालक को बाल कल्याण समिति, जनपद संभल के समक्ष पेश कर नियमानुसार कार्यवाही की गई और उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। टीम ने स्थानीय लोगों से अपील की कि सड़क पर भिक्षा देने के बजाय ऐसे व्यक्तियों और बच्चों को पुनर्वास केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि शहर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाया जा सके। साथ ही बताया गया कि बाल भिक्षावृत्ति करना या कराना दंडनीय अपराध है। इमरजेंसी सहायता के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 112, 1076, 181, 1090, 1098 और 108 की जानकारी दी गई तथा आम जनता को भिक्षावृत्ति रोकने के लिए जागरूक किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए चंदौसी में न्यायिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निदेशों के अनुपालन में आगामी 13 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन और व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार आज अपराह्न 4:30 बजे नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट) संभल स्थित चंदौसी के विश्राम कक्ष में समस्त न्यायिक अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकतम वादों के निस्तारण के लिए विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने न्यायालयों में लंबित वादों की सूची तैयार करें, जिनका निस्तारण सुलह एवं समझौते के माध्यम से लोक अदालत में संभव हो। इससे न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आएगी और पक्षकारों को शीघ्र न्याय मिल सकेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आम नागरिकों को लोक अदालत की प्रक्रिया के बारे में जागरूक करने के

लिए बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत पैम्पलेट, बैनर, सोशल मीडिया तथा स्थानीय समाचार माध्यमों का उपयोग किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पक्षकार अपने विवादों का समाधान लोक अदालत में करा सकें। बैठक में विभाशु सुधीर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संभल स्थित चंदौसी; पराग यादव, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/एसीजेएम चंदौसी संभल स्थित चंदौसी; आदित्य सिंह, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/एसीजेएम संभल स्थित चंदौसी; दिव्या गर्ग, सिविल जज (जूनियर डिवीजन)/जेएम; ललित कुमार, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कोर्ट नंबर-01 बाह्य न्यायालय संभल; दिव्या चिंडालिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट संभल स्थित चंदौसी आदि व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। वहीं, वंदना सिंह, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कोर्ट नंबर-02 बाह्य न्यायालय संभल तथा नाजिम अकबर, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) बाह्य न्यायालय गुंनौर आनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। यह जानकारी नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संभल स्थित चंदौसी अवधेश कुमार सिंह द्वारा दी गई। बैठक से लोक अदालत को जन-जन तक पहुंचाने और न्यायिक बैकलॉग कम करने की दिशा में मजबूत कदम उठाए जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

एनसीसी कैडेट्स को प्राथमिक चिकित्सा, मैप रीडिंग और फायरिंग का कराया गया अभ्यास

संवाददाता
कुशीनगर। 50 उप्र बटालियन एनसीसी, पडरौना द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी) संख्या 168 के तीसरे दिन कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में भाग दिलाया गया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में एलएमओ पडरौना ने कैडेट्स को प्राथमिक चिकित्सा (प्राथमिक चिकित्सा), व्यक्तिगत स्वच्छता तथा सामुदायिक स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी। बताया कि आपातकालीन परिस्थितियों में तुरंत दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में अत्यंत सहायक होती है। पीआई स्टाफ

द्वारा कैडेट्स को मैप रीडिंग, कंपास के प्रयोग, फील्ड क्राफ्ट, तथा बैटल क्राफ्ट जैसे सैन्य कौशलों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
प्रशिक्षकों ने नक्शा पढ़ने की विधि, दिशा-निर्धारण, तथा युद्धाभ्यास के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीतियों की जानकारी दी। दिन के अंतिम सत्र में कैडेट्स को फायरिंग अभ्यास कराया गया, जिससे उन्हें निशानेबाजी में आत्मविश्वास और दक्षता प्राप्त हुई। पूरे प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य कैडेट्स में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, साहस, एवं सामूहिक कार्य संस्कृति का विकास करना रहा। इस अवसर पर डिप्टी कमांडेंट कैप्टन वीपी मिश्रा, रिसालदार मेजर हरजीत सिंह, एएनओ लेफ्टिनेंट नरेंद्र त्रिपाठी, थर्ड ऑफिसर एके पांडेय, सूबेदार त्रिलोक सिंह, सूबेदार संजय कुमार, सूबेदार संतोष कुमार, हवलदार कुलदीप सिंह, हवलदार करनप्रीत सिंह, हवलदार सर्वजीत सिंह, हवलदार गोविंद सिंह, हवलदार रमेश लामा, हवलदार मन बहादुर थापा, हवलदार निर्मल सरू, हवलदार थिनिल्स दोरजे सहित अन्य पीआई स्टाफ एवं बटालियन के सिविल स्टाफ–लल्लन सिंह, विनोद तिवारी, मु. अशरफ, एवं राजेश गौतम उपस्थित रहे। शिविर के दौरान सभी अधिकारी एवं प्रशिक्षक कैडेट्स को प्रेरित करते रहे कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों को अपने दैनिक जीवन में लागू कर समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करें।

अखिलेश से मिलने पहुंचे सपाइयों को धक्के मारकर निकाला

बरेली। बहेड़ी से सपा विधायक अताउर रहमान की बेटी की गुरुवार को शादी हुई। इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी पहुंचे। उन्होंने दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद दिया। इस दौरान अखिलेश यादव से मिलने पहुंचे सपा कार्यकताओं को सुरक्षाकर्मियों ने धक्के मारकर मैरिज हॉल से बाहर निकाल दिया। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि भाजपा वाले भूमाफिया हैं। इतना महंगा सोना और जमीन वही ले रहे हैं। और तो और, ये भाजपा के लोग तो भगवान से भी ऊपर हैं। देखिए न, इकाना स्टेडियम भगवान का नाम है। उसका नाम बदल दिया गया। अब रामपुर का चुनाव हम देखें, तो हमने क्या देखा? लाखों लोगों को वोट नहीं डालने दिया गया था। पुलिस लगा दी गई थी, जिससे लोग घर से न निकल सकें। सपा न्यू इंडिया विजन को लेकर आगे चल रही है। सपा भविष्य के बरेली के लिए अपना मैनिफेस्टो बनाएगी। अखिलेश यादव ने कहा- मुझे खुशी है कि शादी में आने का मौका मिला। शादी के बहाने बहुत सारे लोगों से मिलने का मौका मिल जाता है। समाजवादी लोग ऐसे समारोह में जाते हैं। मैं जिन-जिन घरों में जा रहा, उन सभी को

धन्यवाद। नैनीताल रोड स्थित होटल ग्रांड निरवाना में हुए शादी समारोह में अखिलेश पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं से भी मिले। इसके बाद सपा प्रमुख पूर्व विधायक सुल्तान बेग की बेटी की शादी में पहुंचे। यहां भी अखिलेश ने दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद दिया। फिर अखिलेश मशहूर शायर वसीम बरेलवी से मिलने पहुंचे। यहां गली के बच्चों से मिले और मस्जिद से निकल रहे युवाओं से बात की। अखिलेश यादव ने कहा कि वसीम बरेलवी की शायरी की एक लाइन में इतना बड़ा संदेश है कि अगर हम उन्हें अपना लें, तो हमारा समाज और हम सब लोग एक-दूसरे से और मजबूती से जुड़ जाएंगे। कहा कि सरकार का नजरिया सबके साथ एक जैसा होना चाहिए। कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। शायर वसीम बरेलवी के घर के निकलने के बाद अखिलेश यादव ने फूटा दरवाजा गली में मस्जिद के बाहर खड़े लोगों से हाथ मिलाया। लोगों से उनका हाल-चाल पूछा। अखिलेश यादव शायर वसीम बरेलवी के घर से निकलने के बाद छोटे-छोटे बच्चों से मिले। इसके बाद बच्चों ने कहा कि अखिलेश यादव से मिलकर दिल को सुकून मिला। अताउर रहमान की बेटी की शादी में शामिल होने के बाद अखिलेश यादव पूर्व विधायक सुल्तान बेग की बेटी की शादी में शामिल होने पहुंचे। सुल्तान बेग तीन बार विधायक रह चुके हैं। वह 2 बार सपा के टिकट पर विधायक बने। लेकिन, बसपा सरकार में उनके गोदाम से चोरी के ट्रक बरामद हुए थे। इसके बाद उन पर मुकदमा दर्ज हुआ था। फिर सुल्तान बेग बसपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद वह 2012 में बसपा के टिकट पर चुनाव लड़कर मीरगंज से विधायक बने थे। अताउर रहमान के खिलाफ फरवरी- 2023 में हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप था कि उनके कार्यालय पर एक युवक से मारपीट और फायरिंग की गई। अप्रैल- 2024 में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार के खिलाफ सार्वजनिक मंच से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इसके बाद उनके खिलाफ बरेली में एफआईआर दर्ज हुई। अताउर रहमान के खिलाफ हत्या के प्रयास, जमीन विवाद और मारपीट जैसे मामलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। सपा के प्रदेश महासचिव और बहेड़ी से विधायक अताउर रहमान का राजनीतिक सफर तीन दशक से ज्यादा पुराना है। वह तीसरी बार विधायक हैं। उनका राजनीतिक करियर 1996 से शुरू हुआ। धीरे-धीरे उन्होंने समाजवादी पार्टी में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। 2002 में पहली बार बहेड़ी विधानसभा सीट से सपा के टिकट पर चुनाव जीते। इसके बाद 2012 में दोबारा विधायक बने। पार्टी संगठन में भी उन्होंने प्रदेश सचिव, अल्पसंख्यक सभा अध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रवक्ता जैसे पद संभाले। अगस्त 2023 में अखिलेश यादव ने उन्हें प्रदेश महासचिव बनाया। तीसरी बार भी बहेड़ी से चुनाव जीते।

ग्रामीण पत्रकारों ने सीएम को सौंपा ज्ञापन, पांच सूत्रीय मांगों पर कार्रवाई की उम्मीद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह के निर्देश पर मंडल मुरादाबाद इकाई ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। मंडल अध्यक्ष अरुण गोस्वामी के नेतृत्व में पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने यह ज्ञापन अपर आयुक्त द्वितीय शशि भूषण को प्रदान किया।ज्ञापन में प्रमुख मांगें रखते हुए पत्रकारों ने कहा कि प्रदेश में पत्रकार मान्यता प्राप्त समिति एवं विज्ञापन मान्यता समिति में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के दो-दो प्रतिनिधियों को सम्मिलित किया जाए। इसके अलावा, पत्रकारों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने, उत्पीड़न

की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई, कार्य के दौरान सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था, प्रशासन व पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय तथा पत्रकार समस्याओं के लिए शिकायत निवारण प्रकोष्ठ गठित करने की मांग की गई। पत्रकारों ने प्रशासन से उम्मीद जताई कि उनके मुद्दों पर तत्काल सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उन्होंने सजगता व संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अरुण गोस्वामी, मंडल उपाध्यक्ष आलोक शर्मा, मंडल महामंत्री महेश राघव सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

पीस कमेटी की बैठक आयोजित,गंगा-जमुनी तहजीब को बनाए रखने की अपील

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेन्द्र पैंसिया तथा पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कानून एवं शान्ति व्यवस्था के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण पीस कमेटी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जनपद के विभिन्न धर्मगुरुओं, संभ्रांत नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। इस दौरान सामाजिक समरसता बनाए रखने, अफवाहों पर ध्यान न देने तथा आपसी सौहार्द को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों व धर्मगुरुओं से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा, "सम्भल जनपद की गंगा-जमुनी तहजीब हम सबकी पहचान है, इसे बनाए रखना हम सबका दायित्व है।" अधिकारियों ने सभी से अफवाहों से दूर रहने और शान्ति व्यवस्था में सहयोग करने का आग्रह किया। बैठक में सभी पक्षों ने एक स्वर में सामाजिक सद्भाव को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। प्रशासन की यह पहल जनपद में शान्ति और एकता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चकबंदी चौपाल का किया गया आयोजन

चकबंदी से संबंधित जो भी कार्य लंबित हैं उनको संज्ञान में लेते हुए यथाशीघ्र पूर्ण किया जाएगा:- जिलाधिकारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- विकासखंड के ग्राम फतेहपुर शमसोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में चकबंदी चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें जिलाधिकारी ने चकबंदी से संबंधित ग्राम वासियों की समस्याओं को सुना उन्होंने कहा कि जितनी भी चकबंदी से संबंधित समस्याएं हैं उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा उन्होंने सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुना और जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत को गंभीरता से लेते हुए निस्तारण करना सुनिश्चित करें और चकबंदी के कार्य में तेजी लाएं जिलाधिकारी ने समस्याओं को सुना और आश्वस्त करते हुए कहा कि चकबंदी का कार्य शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से किया जाएगा उसका सभी लोग सहयोग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि चकबंदी

से संबंधित जो भी कार्य लंबित हैं उनको संज्ञान में लेते हुए यथाशीघ्र पूर्ण किया जाएगा। ग्राम वासियों के द्वारा पूर्व में रहे चकबंदी लेखपाल एवं अन्य संबंधित कर्मचारी एवं अधिकारियों से संबंधित समस्या के विषय में जिलाधिकारी को जानकारी दी जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सात दिवस के अंदर पूर्व में रहे अधिकारी एवं कर्मचारी का विवरण प्रस्तुत किया जाए जिससे उनके विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जा सके। जिलाधिकारी में समस्त ग्राम वासियों से कहा कि विकसित भारत 2047 को लेकर अपने-अपने सुझाव अवश्य दें। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि चकबंदी के कार्य में निष्पक्षता से कार्य करें और उन्होंने कहा कि जिसकी जमीन जहां है उसे अनुपात के आधार पर जमीन दी जाए और उन्होंने कहा किसी प्रकार की अगर लापरवाही संज्ञान में आती है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि चकबंदी सरकार की एक महत्वपूर्ण कड़ी है उन्होंने कहा कि चक को चक मार्ग से जोड़ने का कार्य चकबंदी के द्वारा किया जाता है और उन्होंने कहा कि सार्वजनिक भूमि एवं तालाब इत्यादि के लिए भूमि चकबंदी के द्वारा ही निकली जाती है उन्होंने कहा कि चकबंदी एक महत्वपूर्ण कड़ी है चकबंदी गांव के लिए आवश्यक है। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने तेली रोड बहजोई स्थित राजस्व निरीक्षण भवन के परिसर में निर्माणधीन बैडमिंटन कोर्ट का निरीक्षण किया एवं आवश्यक सुविधाओं को चेक करते हुए संबंधित को निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, खंड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह, चकबंदी सी ओ, चकबंदी ए सी ओ,चकबंदी लेखपाल सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्ली ब्लास्ट में आतंकी उमर की संलिप्तता की पुष्टि, विज बोले- सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से रुकी बड़ी तबाही

अंबाल : हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने दिल्ली के लाल किला के पास हुए ब्लास्ट में मारे गए लोगों के प्रति गहरा दुख व्यक्त किया है और कहा कि यह एक गंभीर आतंकी घटना है। ब्लास्ट में जिन लोगों की जान गई है, उस पर बहुत दुख प्रकट करते हैं। साथ में उन्होंने सुरक्षा एंजेसियों की सराहना भी की है। विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। विज ने इस हमले में आतंकी उमर की संलिप्तता की पुष्टि होने पर कहा कि करीब 3000 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया गया है, जो किसी भी बड़े शहर को नष्ट कर सकता था इसलिए मैं सुरक्षा एंजेसियों को सेल्यूट करता हूं।

इस आतंकी घटना में अल्पसंख्यक और सभी डॉक्टर जुड़े होने पर अनिल विज ने कहा कि सभी एजेंसियां जांच कर रही है और इन सब का नेटवर्क जानने की कोशिश कर रही है। इसके पीछे कौन साजिश करता था और कौन इस घटना को अंजाम देने वाला था। साथ में किसने अमोनियम नाइट्रेट मुहैया करवाया और कहां से प्लानिंग की गई। इन सब पहलू की सुरक्षा एंजेसियां जांच कर रही है और जांच के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि पीएम मोदी का कहना है जो भी हमला करने वाला है और करवाने वाला है उन सब को बख्शा नहीं जाएगा।

कांग्रेस के वोट चोरी के आरोप पर विज ने ली चुटकी

बिहार चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अभी से वोट चोरी के आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं जिस पर अनिल विज ने चुटकी लेते हुए कहा कि यह इनका रोने का तरीका है, कांग्रेस अपने स्कूल में कई तरह के रोने के तरीके सीखने हैं, जैसे हारने के बाद का सियापा करना और दूसरा वोट चोरी के आरोप लगाना। विज ने कहा कि वोट भले ही किसी को दो बन गई हो लेकिन डाली कितनी और किसको गई यह बात यह क्यों नहीं बताती? लाभ और हानि तो वोट डालने के बाद होगी।

अनिल विज का हुड्डा पर तंज

वहीं, वोट चोरी को लेकर वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम आज अंबाला में भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में होने जा रहा है जिसको लेकर जिसको लेकर अनिल विज ने हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि यह तो चाबी वाले खिलौने हैं जैसे राहुल गांधी इनकी चाबी भरता है वैसे ही यह नाचने लग जाते हैं और जब वह रोक देता है तो यह सब रुक जाते हैं।

रामायण टोल प्लाजा पर रोडवेज बस कर्मियों और टोल कर्मचारियों में झड़प, एक घंटे तक लगा जाम

हांसी : दिल्ली-सिरसा नेशनल हाईवे स्थित रामायण टोल प्लाजा पर वीरवार सुबह हरियाणा रोडवेज बस और टोल कर्मचारियों के बीच कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया। मामला इतना तूल पकड़ गया कि रोडवेज कर्मियों ने विरोधस्वरूप बसों को हर लेन में खड़ा कर दिया, जिससे करीब एक घंटे तक टोल प्लाजा पूरी तरह जाम रहा और सवारियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई और सदर थाना प्रभारी सुमेर सिंह मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर हालात को नियंत्रण में लिया गया। रोडवेज बस चालक महेंद्र ने आरोप लगाया कि टोल कर्मचारियों ने बस रुकवाकर उनके साथ मारपीट की और बस के शीशे तोड़ दिए। वहीं, टोल प्रबंधन का कहना है कि गलती पूरी तरह रोडवेज कर्मियों की थी, जिन्होंने बंद लेन में जबरन बस घुसाई और रोकने पर कर्मचारियों से हाथापाई की।

दोषियों पर होगी कार्रवाईः थाना प्रभारी सदर थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों ने शिकायत दर्ज करवाई है। मामले की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वाले पक्ष के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद टोल संचालन दोबारा शुरू कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, यह रोडवेज बस वीरवार सुबह 7:20 बजे दिल्ली से सिरसा के लिए रवाना हुई थी और करीब 11:00 बजे रामायण टोल प्लाजा पर पहुंची, जहां यह घटना हुई। रोडवेज कर्मचारी यूनियन की प्रतिक्रिया आई सामने

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए रोडवेज कर्मचारी यूनियन के प्रधान सोनू मोर ने टोल कर्मचारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि रोडवेज कर्मचारियों पर हमला करना अत्यंत निंदनीय है, और इसी के विरोध में बसें खड़ी कर जाम लगाया गया।

सोनू मोर ने यह भी कहा कि टोल प्लाजा का काम लोगों को सहूलियत देना है, लेकिन यहां आए दिन आम जनता और कर्मियों से झगड़े की घटनाएं हो रही हैं।

पुलिस ने चौंकी के पास पकड़ा कैंटर, खोला तो उड़ गए होश.. डरा चालक मौके से हो गया फरार

सोनीपत : सोनीपत का खरखोदा एक बार फिर शराब तस्करी के लिए सुर्खियों में है। बीती देर रात सैदपुर चौकी के पास पुलिस ने एक कैंटर अवैध शराब को ले जाते हुए पकड़ा है, पुलिस ने कैंटर के अंदर से 500 से ज्यादा पेटी अवैध शराब की बरामद की है। फिलहाल खरखोदा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। आपको बता दें कि पुलिस वाहन चेकिंग के लिए खरखौदा के सैदपुर चौकी के सामने नाके पर तैनात थी और इस दौरान गांव नाहरा की तरफ से एक कैंटर उनकी तरफ आ रहा था, लेकिन पुलिस ने शक के आधार पर कैंटर चालक को रोकने का प्रयास किया तो कैंटर चालक ने एक किलोमीटर आगे कैंटर को छोड़कर फरार हो गया। जिसके बाद पुलिस ने जब कैंटर की तलाशी ली तो कैंटर से 500 से ज्यादा पेटियां अवैध शराब बरामद हुई। जिनमें 145 पेटी इंग्लिश शराब और 370 पेटी देशी शराब की बरामद हुई है। वही इस शराब पर चंडीगढ़ का मार्क लगा हुआ है। फिलहाल पुलिस ने शराब और कैंटर को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मामले में जानकारी देते हुए पुलिस प्रेस प्रवक्ता रविंद्र कुमार ने बताया कि शक के आधार पर कैंटर चालक को रोकने का प्रयास किया गया था कैंटर चालक गाड़ी को छोड़ कर फरार हुआ हैं,कैंटर से 134 पेटी इंग्लिश और 370 पेटी देशी शराब की बरामद हई है।

मामले में खरखौदा थाना पुलिस जांच कर रही हैं।

रामपाल के समर्थकों और युवाओं के बीच झड़प, अब इन 4 गांवों की पंचायतें बुलाई

भिवानी : भिवानी जिले के गांव खरक राजान में रामपाल को भगवान कहने पर समर्थकों और गांव के युवाओं के बीच हाथापाई हो गई। इस विवाद का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ग्रामीणों के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ, लेकिन गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए खरक राजान की धर्मशाला में चारों पंचायतों की बैठक बुलाई गई, जिसमें मामले पर चर्चा की जाएगी। जानकारी के अनुसार 10 नवंबर को गांव के सरपंच प्रदीप कुमार पानी निकासी की समस्या को लेकर कुछ ग्रामीणों के साथ इलाके में एकत्र हुए थे। इसी दौरान वहां मौजूद रामपाल समर्थकों ने रामपाल को भगवान कहा जिस पर

कुछ युवाओं ने एतराज जताया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में हाथापाई शुरू हो गई। बाद में ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। युवाओं का कहना था कि कोई भी अपने मत या इष्ट के प्रति श्रद्धा रख सकता है, लेकिन उसे भगवान का दर्जा देना या अन्य धर्मों का अपमान करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी बात को लेकर रामपाल के समर्थक और ग्रामीणों में जमकर बवाल हुआ। अब गांव के शांति के लिए वीरवार शाम 4 बजे खरक राजान की धर्मशाला में पंचायत की बैठक बुलाई गई है। इन 4 गांवों की बुलाई पंचायत सरपंच प्रदीप कुमार ने बताया कि इस बैठक में खरक राजान, खरक खांडयान, खरककलां और खरक खुर्द की पंचायतों को आमंत्रित किया गया है।

बैठक में विवाद के निपटारे और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सामूहिक सहमति बनाई जाएगी। पुलिस को नहीं दी गई शिकायतवहीं इस मामले में गांव खरक कलां चौकी इंचार्ज वीरेंद्र ने बताया कि 10 नवंबर को 2 पक्षों के बीच झगड़ा होने की सूचना मिली थी, लेकिन अभी तक दोनों पक्षों की तरफ से कोई शिकायत नहीं दी गई है। लेकिन इस आपसी मतभेद मामलें में पुलिस नजर बनाए हुए हैं।

इनकी जगह 72 हूरों के पास', दिल्ली ब्लास्ट के आरोपियों पर बोले शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा

सोनीपत : दिल्ली ब्लास्ट को लेकर हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा का सख्त बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा एजेंसियां और सरकार पूरी ताकत से कार्रवाई कर रही हैं, जिससे आरोपी डरे हुए हैं और

छिपने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि यह नया भारत है, ऐसे लोगों की जगह या तो जेल में होगी या 72 हूरों के पास। ढांडा ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद फैलाने वालों को किसी भी हाल में छोड़ा नहीं जाएगा और एक-एक कड़ी जोड़कर सभी को कानून के शिकंजे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले यह कहते थे कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, अब सच्चाई सबके सामने है। अल फलहा यूनिवर्सिटी पर उठे सवालों के जवाब में मंत्री ने कहा कि कोई भी शिक्षण संस्थान गलत विचारधारा नहीं सिखाता, लेकिन युवाओं का ब्रेनवॉश करने वाले मौलवियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि भारत किसी भी आतंकी गतिविधि या हमले को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा।

Operation Trackdown के तहत सिरसा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, सवा करोड़ की हेरोइन सहित 3 अंतर्राज्यीय नशा तस्कर काबू

डबवाली/सिरसा : हरियाणा पुलिस के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सिरसा जिले की डबवाली पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' के दौरान 256.13 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी कीमत करीब सवा करोड़ रुपये आंकी जा रही है। सीआईए स्टाफ डबवाली की टीम ने काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार 3 अंतरराज्यीय नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ पित्ता पुत्र सिकंदर सिंह, गुरविंद्र सिंह उर्फ गिन्नी पुत्र बलदेव सिंह, दोनों निवासी भागी बादर थाना तलवंडी साबो जिला बठिंडा पंजाब और राजबीर सिंह उर्फ गोरा पुत्र महेंद्र सिंह निवासी माईसरखाना जिला बठिंडा पंजाब के रूप में हुई है। डबवाली उप पुलिस अधीक्षक कपिल अहलावत ने बताया कि सीआईए

स्टाफ डबवाली में तैनात एएसआई पालाराम को चौटाला रोड कोर्ट परिसर के पास विश्वसनीय सूचना मिली थी कि उक्त तीनों आरोपी स्कॉर्पियो गाड़ी में नशा तस्करी के इरादे से घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लाल गोदाम रोड इंदिरा नगर मंडी के पास गाड़ी की तलाशी ली, जिसमें डैशबोर्ड से पारदर्शी पन्नी में 256.13 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने हेरोइन और स्कॉर्पियो गाड़ी को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना शहर डबवाली में मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ पंजाब और हरियाणा में पहले से ही हत्या, आर्म्स एक्ट और नशा तस्करी से जुड़े कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों तक पहुंच बनाई जा सके। मामले को लेकर डीएसपी कपिल अहलावत ने बताया कि डबवाली पुलिस लगातार नशा तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने में लगी हुई है और अब तक कई आदतन तस्करों को पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि पुलिस टीमें दिन-रात मेहनत से नशे के खिलाफ अभियान चला रही है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा और राव नरेंद्र के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

चंडीगढ़ : पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र के नेतृत्व में आज कांग्रेस विधायक दल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भारी बारिश से किसानों को हुए नुकसान, धान की खरीद में हुए घोटाले, प्रदेश में बढ़ते अपराध और राशन कार्ड घोटाले पर संज्ञान लेने की मांग की गई। नेता प्रतिपक्ष हुड्डा ने राज्यपाल के साथ करीब आधे घंटे तक लंबी बातचीत की और उन्हें सभी मुद्दों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ज्ञापन में कहा गया है कि हरियाणा प्रदेश कांग्रेस विधायक दल महामहिम राज्यपाल का ध्यान प्रदेश की गंभीर स्थितियों की ओर आकर्षित करना चाहता है। पिछले दिनों प्रदेशभर में हुई भारी वर्षा के कारण किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। धान, कपास और अन्य खरीफ फसलों के खेत जलमग्न हो गए हैं, जिससे किसानों को आर्थिक रूप से गहरा आघात पहुंचा है। अनेक किसानों की फसलें पूरी तरह से नष्ट हो चुकी हैं, परंतु सरकार की ओर से अब तक न तो सही सर्वे किया गया है और न ही मुआवजे की कोई ठोस घोषणा हुई है। अत्यधिक बारिश के कारण इस बार की फसल तो बर्बाद हुई है और अभी तक जल भरा हुआ है, इसलिए अगली फसल की बुवाई भी संभव नहीं है। हम मांग करते हैं कि सरकार विशेष गिरदावरी करवाकर किसानों को 50 से 60 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दे। इसके अतिरिक्त, यह सरकार 24 फसलों पर टरढ देने की बात करती है, लेकिन यह बात धरातल पर बिल्कुल भी सही नहीं है। धान, बाजरा, मूंग, कपास जैसी बहुत सारी फसलें हैं जिनकी टरढ किसानों को बिल्कुल भी नहीं मिलती। हरियाणा के किसान अपनी धान और बाजरे को टरढ से 500 से 600 रुपये प्रति क्विंटल कम में बेचने को

मजबूर हो रहे हैं। नमी के नाम पर किसानों को लूटा जा रहा है। धान की सरकारी खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और घोटाले की शिकायतें सामने आई हैं। कई मंडियों में किसानों को उचित दाम नहीं मिले, वहीं कुछ जगहों पर फर्जी खरीद-फरोख्त के मामलों ने पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं। इसी प्रकार, खाद की भारी कमी और कालाबाजारी की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। कांग्रेस विधायक दल की यह मांग है कि इस पूरे मामले की जांच हरियाणा हाईकोर्ट के सिटिंग जज से करवाई जाए, ताकि सत्य जनता के सामने आ सके। इसी के साथ, प्रदेश में अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है। हत्या, फिरौती, लूट, बलात्कार, चोरी और नशे से जुड़ी घटनाएँ आम हो चुकी हैं। आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। खुद केंद्र सरकार का कहना है कि हरियाणा में 80 से ज्यादा आपराधिक गैंग सक्रिय हैं, जो संगठित अपराध कर रहे हैं। व्यापारियों और प्रोफेशनल्स से फिरौती मांगी जाने की घटनाएं आम बात हो गई हैं। प्रदेश की जनता का कानून-व्यवस्था से भरोसा उठ गया है। आज अपराध इतने चरम पर हैं कि न्याय न मिलने की उम्मीद के कारण खुद पुलिस अधिकारियों को भी आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ रहा है। यानी जनता ही नहीं, बल्कि पुलिस का भी सरकार और कानून-व्यवस्था से भरोसा उठ चुका है। हमारी मांग है कि अउऋढ़ और अरक की आत्महत्या की सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में निष्पक्ष जांच हो, ताकि प्रदेश की जनता को सच पता चले और दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिले। बीजेपी सरकार ने प्रदेश की गरीब जनता के साथ भी धोखा किया है। उसने 2024 चुनाव से पहले लाखों लोगों को रातों-रात बीपीएल घोषित करके उनके राशन कार्ड बना गए और मुफ्त अनाज का लालच देकर उनके वोट हासिल किए। लेकिन चुनाव के बाद, सरकार द्वारा लाखों लोगों के राशन कार्ड काटे जा रहे हैं। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि गलत तरीके से, गलत पात्रों के कार्ड क्यों बनाए और किसने बनाए? इस घोटाले की जांच होनी चाहिए और गलत राशन कार्ड बनाने वालों को सजा दी जानी चाहिए। ताकि कोई भी पार्टी महज चुनावी लाभ लेने के लिए सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग ना करे। प्रदेश के नागरिक शांतिपूर्ण वातावरण में बिना किसी दमन, शोषण और भ्रष्टाचार के जीवनयापन करें तथा उनकी जान-माल की सुरक्षा हो, यह सरकार का प्रथम कर्तव्य है। लेकिन सरकार अपना कर्तव्य नहीं निभा रही है। ऐसे में सरकार संविधान-सम्मत तरीके से चले तथा सरकार अपने कर्तव्य का निर्वहन करे, यह सुनिश्चित करना राज्यपाल की संवैधानिक जिम्मेदारी है। इसलिए राज्यपाल से अनुरोध हैं कि वो सरकार को अपने कर्तव्य, जिम्मेदारी, संवेदना और निष्ठा से निभाने के लिए उचित निर्देश दें।

खबर एक्सप्रेस

पराली जलने पर इस जिले में बड़ी कार्रवाई, 4 पु लिसकर्मी सस्पेंड, 23 को नोटिस जारी

फतेहाबाद : फतेहाबाद जिले में पराली जलाने के बढ़ते मामलों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा डीसी और एसपी को नोटिस जारी किए जाने के बाद एसपी सिद्धांत जैन

ने निगरानी में लापरवाही बरतने पर 4 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया, जबकि 23 अन्य को कारण बताओ नोटिस भेजे गए हैं। फतेहाबाद जिले में पराली जलाने के 75 से अधिक स्थानों की पहचान की जा चुकी है, जिससे फतेहाबाद प्रदेश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। अब तक 38 किसानों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों और निगरानी में चूक करने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस ने पूर्व सरपंच का सिर मुंडवाकर घुमाया, हथकड़ी में जकड़ा नजर आया आरोपी

सोनीपत : सोनीपत जिले के खरखौदा क्षेत्र में जिम से लौट रहे युवक अजय की हत्या मामले में पुलिस ने गांव पिपली के पूर्व सरपंच रामनिवास को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसका सिर मुंडवाकर हाथों में हथकड़ी लगाई और उसे सड़क पर पैदल घुमाया। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई पुलिस ने अपराध के प्रति सख्त संदेश देने के लिए की है। हत्या का यह मामला गांव पिपली में प्लाट के विवाद से जुड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, कुछ समय पहले मृतक अजय और पूर्व सरपंच रामनिवास के बीच इसी विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था। सोमवार देर शाम जब अजय जिम से लौट रहा था, तभी स्कूल के पास दो गाड़ियों में आए हमलावरों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अजय को खरखौदा अस्पताल से रोहतक और फिर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बेटी का पिता था मृतकग्रामीणों ने बताया कि अजय शादी हो चुकी थी, जिसकी एक छोटी-सी बेटी है। परिवार में उसकी पत्नी, मां, बड़ा भाई और भाभी हैं। परिजनों ने बताया कि खेती के सहारे ही परिवार को गुजारा होता था। इस मामले में पुलिस का कहना है कि हत्या पुरानी रंजिश के कारण की गई। आरोपी रामनिवास के खिलाफ पहले से भी कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की विस्तृत जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में साझा की जाएगी और आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

यमुनानगर में पार्कों का निरीक्षण करने पहुंचीं मेयर सुमन, खामियां पाएं जाने पर एजेंसी सुपरवाइजर की लगाई क्लास

यमुनानगर : यमुनानगर नगर निगम द्वारा सभी 22 वार्डों में करोड़ों की लागत से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इन विकास कार्यों की गुणवत्ता को देखने के लिए यमुनानगर की मेयर समय-समय पर निरीक्षण कर रही है। यमुनानगर की

मेयर ने नगर निगम हॉर्टिकल्चर के अधिकारियों के साथ सेक्टर 18 में बने तीन पार्कों का निरीक्षण किया और वहां के रखरखाव और RWA संस्थाओं द्वारा मेनटेन किए जा रहे पार्कों की व्यवस्थाओं को देखा। वहीं तिकोनी पार्क में चल रहे ट्रैक के कार्य में खामियां देखते ही मेयर ने मौके पर मौजूद एजेंसी के सुपरवाइजर की लगा दी क्लास। मेयर ने कहा कि जनता के पैसों का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर किसी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो नियम अनुसार जुमार्ना भी किया जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही वह दोबारा भी उसका निरीक्षण करेंगी। इस दौरान मेयर सुमन बहमनी ने नगर निगम के अधिकारियों को भी गुणवत्ता बनाए रखने और समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सेक्टर-18 एसोसिएशन के पदाधिकारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

अब गु रुग्राम के लोगों को जाम से मिलेगी राहत, SPR पर किया जाएगा एलिवेटेड रोड का निर्माण

गुरुग्राम : गुरुग्राम के लोगों के लिए खुशखबरी आई है। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल सदर्न पेरिफेरल रोड (SPR) पर अब एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना को सीएम सैनी ने मंजूरी दे दी हैं। करीब 14 किलोमीटर लंबा

सदर्न पेरिफेरल रोड (SPR) गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड के गांव घाटा से शुरू होकर वाटिका चौक (गुरुग्राम-सोहना हाईवे) होते हुए दिल्ली-जयपुर हाईवे और द्वारका एक्सप्रेसवे से खेड़की दौला के पास जुड़ता है।

बता दें कि मुख्यमंत्री ने पहले ही वाटिका चौक से खेड़की दौला तक लगभग 6 किलोमीटर लंबे हिस्से को एलिवेटेड बनाने की स्वीकृति दी थी. अब इस निर्णय का दायरा बढ़ाते हुए गांव घाटा से वाटिका चौक तक के हिस्से को भी एलिवेटेड बनाने पर सहमति बन गई है। वहीं इस परियोजना के लिए तैयार की गई डीपीआर में वाटिका चौक से द्वारका एक्सप्रेसवे तक एलिवेटेड रोड की लागत लगभग 750 करोड़ आंकी गई थी। वहीं यदि पांच प्रमुख चौराहों पर अंडरपास बनते तो खर्चा करीब 658 करोड़ और फ्लाईओवर की स्थिति में 578 करोड़ आता। अब सरकार ने पूरे प्रोजेक्ट को एलिवेटेड बनाने के आदेश दिए हैं, इसलिए नई डीपीआर तीन महीने के अंदर तैयार की जाएगी।

ऑपरेशन ट्रैक डाउन बना अपराधियों के लिए काल, अब तक 1631 अपराधी गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस के राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन ट्रैक डाउन ने प्रदेशभर में अपराधियों पर बड़ा शिकंजा कस दिया है। डीजीपी ओ.पी. सिंह के निर्देशन में चल रही इस मुहिम के तहत 12 नवंबर तक कुल 1631 अपराधियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें 319 कुख्यात और अंतरराज्यीय बदमाश शामिल हैं। ऑपरेशन के तहत अंबाला पुलिस ने देशभर में ठगी और चोरी की 105 वारदातों में शामिल अंतरराज्यीय ईरानी गैंग के सरगना गुलाम अब्बास उर्फ रिहाना रजवी सहित चार अपराधियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और वारदात में प्रयुक्त दो स्कूटी बरामद की हैं। डबवाली में नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई डबवाली पुलिस ने नशा तस्करी पर बड़ी चोट करते हुए 1.25 करोड़ रुपये की 256 ग्राम हेरोइन के साथ तीन बड़े तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर हरियाणा और पंजाब में हत्या, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। यमुनानगर पुलिस ने कुख्यात काला राणा गैंग के दो सक्रिय सदस्य मनीष सिंगारी और तरुण सिंगारी को गिरफ्तार किया है। दोनों हत्या और रंगदारी के मामलों में वांछित थे। एसटीएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई में पलवल पुलिस ने हत्या के मामले में फरार 5000 रुपये के इनामी आरोपी चंद्रभान को जींद से गिरफ्तार किया है। डीजीपी ओपी सिंह ने कहा कि हरियाणा में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। हमारी सिर्फ एक नीति है पराध खत्म करना और कानून का राज स्थापित करना।

संक्षिप्त समाचार

तुर्की का मिलिट्री विमान जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त, 20 जवानों की मौत की आशंका

अंकारा, एजेंसी। तुर्की का एक सैन्य मालवाहक विमान अजरबैजान की सीमा के निकट जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में चालक दल सहित 20 सैन्यकर्मी सवार थे। तुर्की और जॉर्जिया के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है, लेकिन हताहतों की सटीक संख्या के बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। तुर्की के समाचार चैनलों पर दिखाए गए वीडियो फुटेज में विमान को तेजी से नीचे गिरते हुए और सफेद धुएं के गुबार के साथ दुर्घटनाग्रस्त होते देखा गया। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की कि यह सी–130 विमान अजरबैजान से उड़ान भरकर तुर्की लौट रहा था, जब यह हादसे का शिकार हो गया। राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया और 'मृतकों' के प्रति संवेदना जाहिर की, जिससे संकेत मिलता है कि कई लोगों की जान जा चुकी हो सकती है। मंत्रालय के अनुसार, विमान में 20 सैन्यकर्मी सवार थे, जिनमें चालक दल के सदस्य भी शामिल थे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अजरबैजान और जॉर्जिया के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से खोज व बचाव अभियान शुरू कर दिया है। जॉर्जिया के गृह मंत्रालय ने कहा कि दुर्घटना सिग्नाघी नगरपालिका क्षेत्र में घटी, जो अजरबैजान सीमा के करीब स्थित है। विभाग ने मामले की जांच भी आरंभ कर दी है। एर्दोगन ने कहा कि वे इस हादसे से 'बहुत दुखी' हैं और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त करते हैं। बता दें कि सी–130 हरक्यूलिस विमान अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा विकसित चार इंजन वाला टर्बोप्रॉप सैन्य परिवहन विमान है। इसे छोटे और अपर्याप्त रनवे से आसानी से उड़ान भरने व उतरने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका प्राइमरी कार्य माल ढोना, सैनिकों और उपकरणों का परिवहन करना है। इसके अलावा, इसे गनशिप, हवाई हमले और टोही अभियानों में भी इस्तेमाल किया जाता है।

मालाबार युद्धाभ्यास में शामिल हुआ ऑस्ट्रेलिया, चीन की चुनौती से निपटने में जुटे क्वाड देश

कैनबरा, एजेंसी। हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में भारत, जापान और अमेरिका संयुक्त युद्धाभ्यास मालाबार में शिरकत कर रहे हैं। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया भी इसमें शामिल हो गया। मालाबार युद्धाभ्यास 10 नवंबर को शुरू हुआ था और 18 नवंबर तक चलेगा। ऑस्ट्रेलिया के युद्धाभ्यास में शामिल होने के बाद अब क्वाड के चारों सदस्य देश मालाबार युद्धाभ्यास का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि 'रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी का ईंष्ट श्रेणी की फ्रिगेट एचएमएएस बालाराट और रॉयल ऑस्ट्रेलियन एअर फोर्स के पी–8ए पोसायडन मेरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट मालाबार युद्धाभ्यास में हिस्सा लेंगे। पोसायडन गुआम के एंडरसन एअर फोर्स बेस से संचालित होगा।' ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ जॉइंट ऑपरेशन वाइस एडमिरल जस्टिन जोंस ने बताया कि मालाबार युद्धाभ्यास बढ़ती क्षेत्रीय साझेदारी और लगातार बदलती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने की अहमियत बताता है। मालाबार युद्धाभ्यास की शुरुआत साल 1992 में हुई थी। पहली बार अमेरिका और भारत ने इस युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया। बाद में जापान और ऑस्ट्रेलिया भी इसमें शामिल हो गए। ये चारों देश ही क्वाड संगठन का हिस्सा है। ऐसे में मालाबार युद्धाभ्यास क्वाड देशों का युद्धाभ्यास बन गया है। हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में चीन की चुनौती लगातार बढ़ रही है। ऐसे में चीन की चुनौती से निपटने, हिंद प्रशांत क्षेत्र में नौवहन के मुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मालाबार युद्धाभ्यास अहम है। युद्धाभ्यास में भाग ले रहे ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के जहाज के कमांडर डीन यूरेन ने कहा कि यह हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के सदस्य देशों के बीच अंतरसंचालन को बेहतर करने का यह बेहतरीन अवसर है। क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ युद्धाभ्यास से हम हिंद प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने में सक्षम होंगे।

चीन का 758 मीटर लंबा नया होंगची ब्रिज ढहा, उद्घाटन के 44 दिन बाद हादसा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के सिचुआन प्रांत में हाल ही में शुरू हुआ होंगची ब्रिज आंशिक रूप से ढह गया। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह पुल राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाया गया था और इसकी लंबाई करीब 758 मीटर है। सोमवार दोपहर पुल के आसपास की पहाड़ी ढलानों और सड़कों पर दरारें दिखाई दीं। पहाड़ की जमीन खिसकने लगी तो प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से पुल को तत्काल बंद कर दिया। मंगलवार दोपहर हालात और बिगड़ गए। पहाड़ी से भारी मात्रा में मिट्टी खिसकने के बाद पुल का एक हिस्सा टूटकर ढह गया। अब तक किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं मिली है। वीडियो में धूल का गुबार उठता दिखाई देता है और पुल के खंभे टूटकर नीचे पत्थरों और नदी में गिरते नजर आते हैं। यह पुल इसी साल पूरा हुआ था।

सादरिस्ट का बहिष्कार, कम वोटिंग और कड़ी सुरक्षा; क्या संदेश दे रहा है बगदाद का जनादेश?

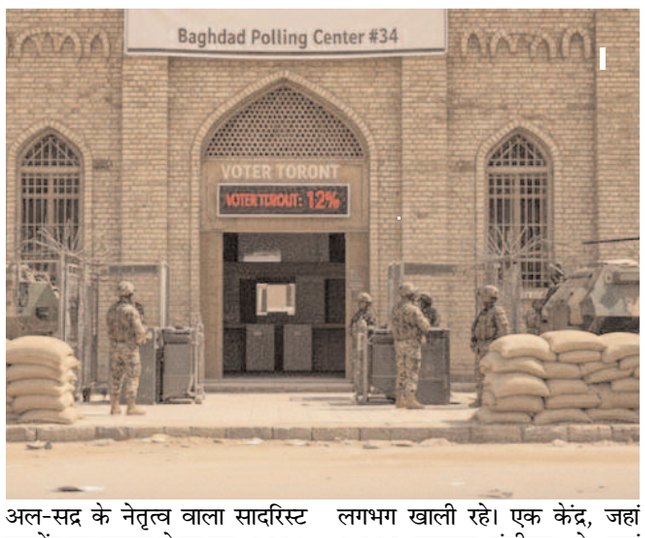

बगदाद, एजेंसी। इराक में मंगलवार को संसदीय चुनाव हुए, जो कड़ी सुरक्षा और एक बड़े राजनीतिक गुट के बहिष्कार से प्रभावित रहे। मतदान के दौरान हिंसा की सिर्फ एक बड़ी घटना सामने आई, जो कि उत्तरी शहर किर्कुक में दो दलों के समर्थकों के बीच झड़प में दो पुलिसकर्मी मारे गए। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, पंजीकृत मतदाताओं में से 55% ने वोट डाला, लेकिन कुल 32 मिलियन योग्य मतदाताओं में से सिर्फ 21.4 मिलियन ने ही मतदाता कार्ड बनवाए, जो 2021 के चुनाव में 24 मिलियन से कम है।

बता दें कि यह चुनाव ऐसे समय में हुआ है जब क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में बड़े बदलाव हुए हैं। उदाहरण के तौर पर गाजा और लेबनान में युद्ध, इस्राइल-ईरान संघर्ष और सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन जैसे घटनाक्रमों के बीच। ऐसे में अमेरिका भी इराक सरकार पर ईरान समर्थक सशस्त्र गुटों के प्रभाव को कम करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने कहा कि यह चुनाव जनता की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 2003 के बाद सिर्फ एक प्रधानमंत्री को ही दोबारा मौका मिला है।

सादरिस्ट मूवमेंट का बहिष्कार : प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सद्र के नेतृत्व वाला सादरिस्ट मूवमेंट इस चुनाव से दूर रहा। 2021 में इस गुट ने सबसे ज्यादा सीटें जीती थीं, लेकिन सरकार गठन पर सहमति न बनने के बाद उसने संसद से इस्तीफा दे दिया और अब पूरे राजनीतिक सिस्टम का बहिष्कार कर रहा है। सदर सिटी (बगदाद के बाहरी इलाके) में सुरक्षा बेहद कड़ी थी, सड़कों पर बख्तरबंद गाड़ियां और विशेष बलों की तैनाती थी। वहां एक बड़ा बैनर लगा था, जिसमें अल-सद्र सैन्य वर्दी में हथियार लिए नजर आ रहे थे, साथ में लिखा था- मेरे लोग सदर सिटी में बहिष्कार कर रहे हैं। खास बात ये रही है कि मतदान केंद्र खुले तो थे, लेकिन लगभग खाली रहे। एक केंद्र, जहां 3,300 मतदाता पंजीकृत थे, वहां कुछ घंटों में केवल 60 लोगों ने वोट डाला। केंद्र के निदेशक अहमद अल-मुसावी ने कहा कि सादरिस्ट बहिष्कार का बड़ा असर पड़ा है। पहले लंबी कतारें लगती थीं, अब सन्नाटा है। स्थानीय निवासी सबीह दाखिल ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि शायद नए नेता जीवन स्तर सुधारें। जबकि दूसरे निवासी राफिद अजील ने कहा कि यह सरकार भ्रष्ट है, पहले भी भ्रष्ट थी, आगे भी वैसी ही होगी।

किर्कुक में तनाव और हिंसा, समझिए कारण : मतदान से पहले रात में किर्कुक में हिंसा भड़क उठी। यहां अरब, कुर्द, शिया और तुर्कमान समुदाय रहते हैं और यह इलाका लंबे समय से क्षेत्रीय विवाद का केंद्र रहा है। रात 2 बजे के करीब दो गुटों में झगड़ा हुआ जो बाद में गोलीबारी में बदल गया। इसमें दो पुलिसकर्मी मारे गए और दो नागरिक घायल हुए। 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, झगड़ा कुर्द पार्टी (पीयूके) और इराकी तुर्कमान फ्रंट के समर्थकों के बीच हुआ। सुबह तक स्थिति शांत हुई और धीरे-धीरे लोग वोट डालने पहुंचे। हालांकि, कई मतदाताओं ने राजनीतिक उदासीनता जताई। 60 वर्षीय नूरअदीन सालेह ने कहा, 'हम सिर्फ चेहरों को बदलते हैं, बाकी कुछ नहीं बदलता। अस्सीरी अल्पसंख्यक की बैन बहनम ने भी कहा, 'उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं, लेकिन फिर भी हम वोट डालने आते हैं।

भ्रष्टाचार और कानूनी विवाद : मतदान से पहले भ्रष्टाचार और वोट खरीदने के कई आरोप लगे। सुरक्षा बलों ने पिछले हफ्ते 46 लोगों को गिरफ्तार किया, जो अवैध रूप से वोटर कार्ड खरीद-बेच रहे थे। उनके पास से 1,841 कार्ड बरामद हुए।इराक के सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल के प्रमुख ने भी कहा कि चुनाव की तारीख संवैधानिक नहीं है, क्योंकि इसे पहले 24 नवंबर तय किया गया था, बाद में बदलकर 12 नवंबर कर दिया गया।

कंबोडिया और थाईलैंड में फिर छिड़ेगी जंग? थाई सेना ने रद्द किया ट्रंप का शांति समझौता

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की सेना ने मंगलवार को कंबोडिया पर विवादित सीमा क्षेत्र में नई बारूदी सुरंगें बिछाने का आरोप लगाया। थाईलैंड ने दावा किया कि इन बारूदी सुरंगों के चलते उसके कई सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। सीमा पर लैंडमाइन्स बिछाए जाने को थाईलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रस्तावित शांति समझौते का उल्लंघन बताया। थाईलैंड की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवारी ने बयान जारी करते हुए कहा कि फोरेंसिक अधिकारियों ने सोमवार (10 नवंबर,2025) को कंथारलक जिले में बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र की जांच-पड़ताल की। इस दौरान अधिकारियों को धमाके से बना एक गड्ढा और तीन अन्य बारूदी सुरंगों का पता चला। सीमा पर गश्त के दौरान 4 थाई सैनिक घायलथाई सेना की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया था कि सीमा पर गश्त करने के दौरान लैंडमाइन पर पैर पड़ने की वजह से चार सैनिक घायल हो गए। इनमें से एक सैनिक ने अपना पैर भी गंवा दिया। बैंकॉक पोस्ट के मुताबिक मेजर जनरल विनथाई ने कहा, ''इस तरह की घटना संघर्ष को कम करने में कंबोडिया के दोहरे रवैये को दर्शाता है। ये शत्रुता को भी दर्शाता है, जो संयुक्त रूप से माने गए समझौते का भी उल्लंघन है। कंबोडिया ने आरोपों को किया खारिज कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार की देर रात थाईलैंड के आरोपों को खारिज कर दिया। कंबोडिया की ओर से कहा गया कि कंबोडिया के गृह युद्ध के दौरान की एक पुरानी बारूदी सुरंग में धमाके की वजह से सोमवार को थाई सैनिक घायल हुए। कंबोडिया की ओर से कहा गया कि उसकी ओर से सीमा पर कोई भी नई लैंडमाइंस नहीं बिछाई गई हैं, जो आम नागरिकों के लिए खतरा बनें। थाईलैंड पर कंबोडिया ने जड़ा ये आरोप कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय ने शांति समझौते की शर्तों और जेनेवा कन्वेंशन का सख्ती से पालन करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रालय ने थाईलैंड की ओर से कंबोडिया के साथ तमाम गतिविधियां सस्पेंड करने पर भी चिंता जताई। इसमें विवादित सीमा क्षेत्र से बड़े हथियारों को हटाने और कंबोडियाई युद्धबंदियों को छोड़े जाने पर सहमति बनी थी।

संयुक्त राष्ट्र चीफ गुटेरस ने दिल्ली धमाके पर दुख जताया, जांच की मांग की

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने नई दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार धमाके में जान गंवाने वालों के प्रति दुख जताया है। उनके प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि भारत सरकार और लोगों के लिए हम संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना की पूरी तरह जांच जरूरी है।

मंगलवार को हुई इस घटना में 12 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता से इस मामले और इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले के बारे में सवाल पूछे गए थे। इस्लामाबाद के हमले पर उन्होंने कहा कि महासचिव इस घटना से बेहद दुखी हैं। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों के लिए संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। गुटेरस ने कहा कि आतंकवाद और हिंसा की हर घटना की कड़ी निंदा की जानी चाहिए और दोषियों को सज़ा मिले। इसके लिए पूरी जांच होनी चाहिए। इस्लामाबाद में मंगलवार को एक आत्मघाती हमलावर ने पुलिस वाहन के पास खुद को उड़ा लिया। इस हमले में 12 लोगों की मौत और 36 लोग घायल हुए।

जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह के बिना चुनाव नहीं: बांग्लादेश की इस्लामी पार्टी : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने मंगलवार को फरवरी में प्रस्तावित आम चुनाव का कड़ा विरोध किया और कहा कि जब तक जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह कर उसे 'कानूनी आधार' नहीं दिया जाता, तब तक चुनाव नहीं हो सकता। ढाका में अपने सात इस्लामी सहयोगियों के साथ आयोजित एक रैली में जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने कहा, इस देश के स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों का एक ही संदेश है-आम चुनाव से पहले एक राष्ट्रीय जनमत संग्रह होना चाहिए। यह रैली जमात की ताकत दिखाने का एक प्रयास मानी जा रही है।

11 साल बाद हमास ने इस्राइल को लौटाया सैनिक का शव, अंतिम संस्कार में उमड़ी हजारों की भीड़

यरुशलम, एजेंसी। मध्य इस्राइल में मंगलवार (11 नवंबर,2025) को 11 साल बाद गाजा से लौटे इस्राइली सैनिक के शव के अंतिम संस्कार में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सैनिक के अंतिम संस्कार के दौरान हाथों में इस्राइल का झंडा लिए हुए भारी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। इसके चलते श्मशान और आस-पास की तमाम गलियां जाम हो गईं। लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का अंतिम संस्कार उनके परिवार वालों के लिए भावुक कर देने वाला पल था। दरअसल, लेफ्टिनेंट के परिवार ने उनके शव को वापस इस्राइल लाने के लिए एक बड़ा सार्वजनिक अभियान चलाया था। हमास ने 9 नवंबर, 2025 को उनके शव का अवशेष इस्राइल को वापस भेजा। वहीं 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के हमले में चार बंधकों के शवों को गाजा ले जाने के बाद इस्राइल के साथ युद्ध छिड़ गया था। ये शव अभी भी गाजा में ही हैं। 2014 में इस्राइल और हमास के बीच युद्धविराम के एलान के दो घंटे बाद 23 साल के गोल्डिन की मौत हो गई थी। कई वर्षों तक गोल्डिन और एक अन्य सैनिक ओरॉन शॉल के पोस्टर इस्राइल की गलियों में दिखते थे। वहीं, उनके परिवारों की ओर से शवों को वापस लाने के लिए अभियान चलाया जा रहा था। इस्राइली सेना की ओर से बहुत पहले साफ कर दिया गया था कि गोल्डिन की हत्या हो चुकी है और सबूत के तौर पर सुरंग में उसकी खून से सनी शर्ट बरामद की गई थी। बीते वर्षों में गोल्डिन के शव की पहचान होने के बाद उनके परिजनों ने कई बार निराशा जाहिर की। परिजनों ने कहा था कि उनके बेटे का शव न इस्राइली सेना और न ही कोई अन्य वापस लेकर आया। इसे एक तरह से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना के तौर पर देखा गया। वहीं, नेतन्याहू ने हालिया कैबिनेट बैठक में कहा, ''इस्राइली सैनिक का शव हमास के कब्जे में लंबे समय तक रहने से परिवार को बहुत पीड़ा झेलनी पड़ी। अब वे उसका अंतिम संस्कार कर सकेंगे।'' गौरतलब है कि ओरॉन शॉल का शव साल की शुरुआत में ही इस्राइल वापस आ गया था। गोल्डिन के परिजनों ने नाराजगी जताते हुए कहा, ''हैदर जंग लड़ने गया था और इस्राइली सेना ने उसे छोड़ दिया। इस्राइली सेना ने हमारे और उसके मानवीय अधिकारों को खत्म कर दिया।'' गोल्डिन के शव को वापस लाने की शुरुआती कोशिशों में दर्जनों फलस्तीनी मारे गए थे। फलस्तीन की ओर से इसे अंधाधुंध गोलीबारी बताया गया था। गोल्डिन के शव को पाने के लिए इस्राइल ने हैनीबेल प्रोटोकॉल लागू किया था। इसके तहत इस्राइली सेना को भारी हथियार और सैन्यबल के इस्तेमाल की छूट मिलती है। गोल्डिन की तलाश में इस्राइली सेना ने गाजा शहर में भीषण गोलीबारी और एयरस्ट्राइक की थीं, जिनमें 110 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई थी। 2016 में भारी आलोचना के बाद हैनीबेल प्रोटोकॉल को रद्द कर दिया गया था। 2014 में हुई इस्राइल और हमास की जंग में 2200 फलस्तीनियों की मौत हो गई थी।

एच-1बी वीजा पर नरम पड़े ट्रंप; कहा- अमेरिका को चाहिए टैलेंट, सिर्फ बेरोजगारों पर निर्भर नहीं रह सकते

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अब तक के सख्त रुख से पीछे हटते हुए कहा है कि देश को विदेशी कुशल लोगों की जरूरत है। उन्होंने माना कि अमेरिका केवल लंबे समय से बेरोजगार बैठे लोगों पर निर्भर रहकर अपनी इंडस्ट्री और टेक्नोलॉजी को आगे नहीं बढ़ा सकता। एक समाचार चैनल को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को अपने उद्योगों और रक्षा क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले लोगों की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'मैं सहमत हूं कि हमें अमेरिकी मजदूरों की तनख्वाह बढ़ानी चाहिए, लेकिन हमें यह टैलेंट भी लाना होगा। अमेरिका को दुनिया में आगे बनाए रखने के लिए ये जरूरी है।'

नई वीजा नीति में बड़ा बदलाव : इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने सितंबर महीने में एक आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद एच-1बी वीजा आवेदन की फीस में बड़ा इजाफा किया गया। अब नए वीजा के लिए 1,500 डॉलर की जगह 1 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) फीस देनी होगी। यह नियम 21 सितंबर के बाद दाखिल किए गए सभी नए आवेदन या 2026 की वीजा लॉटरी में शामिल होने वालों पर लागू होगा। हालांकि, जो लोग पहले से वीजा पर हैं या जिनके आवेदन पहले दिए गए हैं, वे इस नए नियम से प्रभावित नहीं होंगे।

हर बेरोजगार को नहीं सिखाया जा सकता मिसाइल बनाना : जब इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि अमेरिका में पहले से काफी प्रतिभाशाली लोग हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'नहीं, ऐसा नहीं है। कुछ खास स्किल्स ऐसी हैं जो हमारे पास नहीं हैं। आप बेरोजगारों को सीधा नहीं कह सकते कि 'चलो, अब मिसाइल बनाना सीखो।' उन्हें ट्रेनिंग और अनुभव चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने जॉर्जिया राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां एक ह्युंडई बैटरी फैक्ट्री में जब दक्षिण कोरिया से आए कुशल मजदूरों को वापस भेजा गया, तो उत्पादन में भारी दिक्कतें आईं। उन्होंने कहा, 'बैटरियां बनाना बहुत जटिल और खतरनाक काम है। कई विस्फोट की घटनाएं होती हैं। कोरिया से आए लोग इस काम में माहिर थे और वहीं से अमेरिकी कर्मचारियों को सिखा रहे थे। जब उन्हें भेज दिया गया, तो पूरी व्यवस्था ठप हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान उनके पुराने रुख से बिल्कुल अलग माना जा रहा है। पहले ट्रंप विदेशी कामगारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते रहे हैं और कहते थे कि इससे अमेरिकी नौकरियां छिनती हैं। लेकिन अब उन्होंने खुद कहा है कि 'देश में ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित करने में कई साल लगेंगे। तब तक हमें विशेषज्ञों को लाना ही होगा।

सुप्रीम कोर्ट का एसएनएपी फूड सहायता पर रोक का आदेश जारी, शटडाउन के बीच अब कैसे गहराया भूख का संकट?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जारी सरकारी शटडाउन के चलते अब भूख का संकट गहरा होता दिख रहा है। कारण है कि एक तरफ जहां शटडाउन के जल्दी खत्म होने की बात खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। तो दूसरी ओर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनएपी) यानी खाद्य सहायता योजना के पूर्ण भुगतान पर लगी अस्थायी रोक को कुछ और दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अदालत का यह आदेश गुरुवार रात तक प्रभावी रहेगा। यह फैसला ऐसे समय आया है जब संकेत मिल रहे हैं कि सरकारी शटडाउन जल्द खत्म हो सकता है और इससे करोड़ों लोगों को मिलने वाली फूड सहायता बहाल हो सकती है।

SNAP कार्यक्रम के तहत करीब 4.2 करोड़ अमेरिकी नागरिकों को खाने-पीने की चीजें खरीदने में मदद मिलती है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट के इस कदम से राज्यों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। कुछ राज्यों में लाभार्थियों को पूरा मासिक राशन मिल चुका है, जबकि कुछ को आंशिक या बिल्कुल नहीं मिला। अदालत ने फिलहाल कोई बड़ा कानूनी फैसला देने से परहेज करते हुए स्थिति को अस्थायी रूप से यथावत रखा है।

जरूरतमंदों की बढ़ी मुश्किलें, समझिए कैसे : अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में कुछ लोगों को नवंबर का पूरा लाभ मिल गया, लेकिन कई लोगों को अब तक कुछ नहीं मिला। 41 वर्षीय जिम मलियार्ड जो अपनी बीमार पत्नी और बेटी की देखभाल करते हैं, उन्होंने बताया कि उन्हें पिछले दो हफ्तों से 350 डॉलर की मासिक एसएनएपी सहायता नहीं मिली। अब उनके पास सिर्फ 10 बचे हैं और परिवार चावल व इंस्टेंट नूडल्स पर गुजारा कर रहा है। उन्होंने कहा कि हर रात खर्च गिनता हूं ताकि परिवार का पेट चल सके। चिंता मेरी सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है। इस संकट के बीच कई आम नागरिक मदद के लिए आगे आए हैं। न्यूयॉर्क की शिक्षिका एशली ऑक्सेनफोर्ड ने अपने घर के सामने 'लिटिल फूड पैंट्री' लगाई ताकि जरूरतमंद पड़ोसियों को खाना मिल सके। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने शटडाउन के कारण अक्तूबर के बाद एसएनएपी फंडिंग रोकने का निर्णय लिया था, जिससे देशभर में मुकदमे शुरू हो गए। कुछ अदालतों ने सरकार को कम से कम आंशिक भुगतान करने का आदेश दिया, जिसके बाद प्रशासन ने 65प्रतिशत तक लाभ देने की बात मानी।

राजील में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के दौरान प्रदर्शन-झड़प, जानें क्यों नाराज हैं आदिवासी समुदाय

बेलेम, एजेंसी। ब्राजील के अमेजन शहर बेलेम में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु सम्मेलन (कॉप30) के मुख्य स्थल पर मंगलवार को कुछ प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कुछ देर के लिए सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें पीछे धकेल दिया। इस दौरान दो सुरक्षाकर्मियों को मामूली चोटें आईं।

ब्राजील और संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा टीम ने की कार्रवाई : मामले में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संगठन ने एक बयान में कहा, 'आज शाम, कुछ प्रदर्शनकारियों ने मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा बैरियर तोड़ दिए, जिससे दो सुरक्षा कर्मियों को हल्की चोटें आईं और स्थल को मामूली नुकसान हुआ। ब्राजील और संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा टीम ने तय प्रोटोकॉल के अनुसार तुरंत कार्रवाई की। फिलहाल स्थल पूरी तरह सुरक्षित है और सम्मेलन की बातचीत सामान्य रूप से जारी है।

झड़प से पहले क्या हुआ था : घटना उस समय हुई जब दिन का सत्र समाप्त हो रहा था और लोग सम्मेलन स्थल से बाहर निकल रहे थे। प्रदर्शनकारियों में कुछ लोग पीली टी-शर्ट में थे, जबकि कुछ आदिवासी समुदाय के पारंपरिक वस्त्र पहने हुए थे। ग्लोबल यूथ गठबंधन के युवा समन्वयक अगस्टिन ओकान्या, जो मौके पर मौजूद थे, ने बताया कि प्रदर्शनकारी शुरू में नाच-गाकर नारे लगा रहे थे। वह भी उनके साथ चलने लगे क्योंकि उनके कुछ दोस्त आदिवासी समूह में थे। ओकान्या के अनुसार, यह स्पष्ट नहीं था कि पहले किसने सुरक्षा घेरा तोड़ा, लेकिन जैसे ही गार्डों ने दरवाजे बंद करने की कोशिश की और अतिरिक्त सुरक्षा बुला ली, स्थिति बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग 'वे हमारे बिना हमारे लिए फैसले नहीं कर सकते' के नारे लगा रहे थे। यह नारा इस बात का प्रतीक था कि आदिवासी समुदाय महसूस करते हैं कि जलवायु वार्ताओं में उनकी भागीदारी को नजरअंदाज किया जा रहा है।

मौके पर मची अफरातफरी : जब टकराव बढ़ा, तो दोनों पक्षों के कुछ लोगों ने पास रखे छोटे प्लास्टिक के बक्सों से एक-दूसरे को मारना शुरू कर दिया। ओकान्या ने बताया कि एक सुरक्षा कर्मी के सिर में चोट लगी और दो-तीन लोगों के शरीर पर चोट के निशान थे।

आदिवासी समुदायों की नाराजगी क्यों? : ओकान्या ने कहा कि कई आदिवासी समुदाय नाराज हैं क्योंकि सरकार और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां जलवायु सम्मेलन के लिए 'एक नया शहर खड़ा करने' में भारी धन लगा रही हैं, जबकि उनके क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और जंगलों की सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतें अब भी अधूरी हैं। उन्होंने कहा, 'ये लोग बुरे नहीं हैं। वे हताश हैं, अपनी जमीन और नदी की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं।' ओकान्या ने चेतावनी दी कि अगर दुनिया जलवायु संरक्षण पर सिर्फ बातें करती रही और ठोस कदम नहीं उठाए, तो इस तरह की घटनाएं आगे भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'यह घटना बस एक छोटी झलक है, अगर हमने धरती को बचाने की बातों को यूं ही टालते रहे, तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

भारत दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट आज से

कोलकाता (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शुक्रवार से यहां पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ऐतिहासिक ईडन गार्डन के मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) को देखते हुए भी ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इस मैच से आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी करेंगे। वह इंग्लैंड दौरे में अंगूठे में हुए फ्रैक्चर के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में सभी की नजरें उनके उपर रहेंगी। इसके अलावा भारत ए की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले ध्रुप जुरेल भी इस मैच में खेलेंगे।

इस मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीकी टीम के तेज ओर स्पिन आक्रमण का सामना करना होगा। इस मैदान पर स्पिनरों को सहायता मिलती है जिसका लाभ दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर उठाना चाहेंगे। दक्षिण अफ्रीका गेंदबाजी आक्रमण की धार इस समय स्पिनरों पर निर्भर है और ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। दक्षिण अफ्रीकी के पास अधिकतर समय अच्छे तेज गेंदबाज रहे हैं पर इस बार टीम स्पिनरों के भरोसे है। पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में उसने सीरीज 1-1 से ड्रॉ खेली थी। उसमें उसके मुख्य स्पिनरों केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरान मुथुस्वामी ने 39 में से 35 विकेट लिए थे।

वहीं भारतीय टीम के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों का तरीका उपमहाद्वीप के गेंदबाजों के समान है। उन्होंने कहा, 'उनके पास चार स्पिनर हैं जिनमे से वे तीन को उतार सकते हैं। ऐसा लग रहा है कि हम उपमहाद्वीप की किसी टीम के खिलाफ खेलने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'हमने इस पर बात की है। हमने न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन वाली सीरीज से सबक लिया है। दक्षिण अफ्रीकाा के गेंदबाज हार्मर भी 1000 प्रथम श्रेणी विकेट ले चुके हैं और भारत के हालात को जानते हैं।

दस साल पहले हाशिम अमला की कप्तानी में इस गेंदबाज ने दो टेस्ट खेलकर चेतेश्वर पुजारा, रोहित शर्मा और रिधिमान साहा के विकेट लिए थे। एक दशक बाद भी वह उतने ही चतुर गेंदबाज हैं। उन्होंने रावलपिंडी में में 8 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई और सीरीज ड्रॉ भी कराई। वहीं केशव महाराज सबसे सटीक और आक्रामक स्पिनरों में से एक हैं। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों और दक्षिण अफ्रीका के

स्पिनरों के बीच मुकाबला रोमांचक होना तय है।

ईडन की पिच से स्पिनरों का पहले भी सहायात मिलती रही है। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि यह टर्निंग पिच नहीं होगी। इससे जसप्रीत बुमराह को सहायता मिल सकती है। बुमराह आम तौर पर शुरूआत में मूवमेंट और बाद में रिवर्स स्विंग देने वाली पिच पर भारत के तुरप का इक्का साबित हो सकते हैं। भारतीय टीम इस मैच में दो तेज गेंदबाजों को उतार सकता है और घरेलू मैदान होने से युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी इसमें अवसर मिल सकता है।

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम से यहां सभी को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उसने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था वेस्टइंडीज की कमजोर टीम को 2-0 से हराने पर उसे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में अधिक लाभ नहीं मिला है । ऐसे में वह इस सीरीज मे जीत चाहेगी। ऋषभ इस सीरीज से वापसी करते हुए अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेंगे। उनके अलावा जुरेल के बतौर बल्लेबाज खेलने से भी भारत का मध्यक्रम मजबूत हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 16 विकेट लेने वाले वॉशिंगटन सुंदर भी इस सीरीर में अंतर पैदा करेंगे। वहीं दूसरी ओर तेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी एडेन मार्क्रम, रियान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स , काइल वेरेने , डेवाल्ड ब्रेविस पर निर्भर करेगी। इसके अलावा टीम के पास कोर्बिन बोश, वियान मूल्डर, मार्को यानसेन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कुल मिलाकर ये मुकाबला रोमांचक रहना तय है

टीमें इस प्रकार हैं

भारत - शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, देवदत्त पडिक्कल

दक्षिण अफ्रीका - तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, रियान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स , काइल वेरेने , डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डि जोर्जी, कोर्बिन बोश, वियान मूल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरान मुथुस्वामी , कैगिसो रबाडा, साइमन हार्मर

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा बनी आईसीसी की अक्टूबर महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट को अच्छे प्रदर्शन और कप्तानी के लिए अक्टूबर माह के प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड से सम्मानित किया है। वोल्वार्ड्ट ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के दौरान वोल्वार्ड्ट ने न केवल सबसे अधिक रन बनाए, बल्कि अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान इस खिलाड़ी ने आठ मैचों में 470 रन बनाये और उनका औसत रहा 67.14 वहीं स्ट्राइक रेट 97.91 रहा है।

वोल्वार्ड्ट ने महिला विश्व कप 2025 में आठ मैचों में कुल 470 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक और एक शतक लगाया है। वोल्वार्ड्ट ने अपने प्रदर्शन से कई मैचों में टीम को जीत दिलायी। शुरुआती मैचों में टीम की हार के बाद भी उसके फाइनल तक के सफर में इस खिलाड़ी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही। हर मैच में उन्होंने रन बनाए और टीम को मजबूत किया। इस क्रिकेटर ने 67.14 की औसत और 97.91 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं।

वोल्वार्ड्ट ने कहा, 'महिला क्रिकेट के लिए यह एक ऐतिहासिक आयोजन था, और भारत में विश्व कप प्रदर्शन के बाद यह सम्मान मिलना मेरे लिए गर्व व सम्मान की बात है। टूर्नामेंट में कई शानदार मैच हुए और खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। यह सम्मान मेरे लिए बहुत महत्व रखता है।' उन्होंने कहा कि भले ही टीम खिताब नहीं जीत सकी पर वह अपनी टीम की आक्रामक भावना और निरंतरता पर गर्व का अनुभव करता है। 'हमें पूरा भरोसा है कि अगला विश्व कप खिताब अब हमारी टीम जीतेगी।'

वोल्वार्ड्ट ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के 143 गेंदों पर 169 रन बनाये। उनकी इस पारी के बल पर ही टीम पहली बार महिला विश्व कप फाइनल में पहुंची। यह पारी न केवल टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक रही, बल्कि उनके करियर का भी मील का पत्थर साबित हुई।

लखनऊ सुपर जाइंट्स से रिलीज हो सकते हैं शार्दुल ठाकुर, इस टीम के लिए खेलेंगे आईपीएल 2026

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ एक ऑलकैश ट्रेड डील के तहत समझौता कर लिया है। बताया गया है कि दोनों फ्रेंचाइजियों ने IPL को अपनी रुचि के बारे में जानकारी दी है और जरूरी औपचारिकताओं के पूरा होते ही इस सौदे को आधिकारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी। यह नया बदलाव दर्शाता है कि शार्दुल IPL के इतिहास में एक अद्वितीय कीर्तिमान बनाने जा रहे हैं। यह उनके IPL करियर का तीसरा ट्रांसफर होगा। 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट ने उन्हें किंग्स इलेवन पंजाब (जो अब पंजाब किंग्स है) से अधिग्रहित किया था। इसके बाद 2023 के सीजन से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें दिल्ली कैपिटल्स से अपने साथ शामिल किया था। यह ध्यान देने योग्य है कि दोनों बार यह व्यापार पूरी तरह से ऑल कैश डील पर आधारित था। ठाकुर 2025 के मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे और काउंटी चैम्पियनशिप में ऐसेक्स से जुड़ने वाले थे, लेकिन LSG ने उन्हें मोहसिन खान के रिप्लेसमेंट के तौर पर उनके बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए में चुना था। उस समय स्स्त्र के मेंटॉर जहीर खान का यह फैसला अच्छा निवेश साबित हुआ था। ठाकुर ने IPL 2025 के शुरुआती दो मैचों में छह विकेट लिए थे। हालांकि इसके बाद उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और उन्होंने कुल 10 मैचों में 13 विकेट लिए। साथ ही उनकी इकॉनमी रेट 11.02 रही। मुम्बई इंडियंस की टीम में फिर से शामिल होना उनके लिए घर वापसी जैसा होगा। ठाकुर 2010 से 2012 तक मुंबई टीम के सपोर्ट बोलर रहे थे और घरेलू क्रिकेट में मुंबई टीम के कप्तान भी रह चुके हैं।

डफी की कहर बरपाती गेंदबाजी, न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को धोकर 3-1 से सीरीज जीती

डुनेडिन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने गुरुवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल में पांच मैचों की टी20 सीरीज के पांचवें और आखिरी मैच में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ, मिशेल सैंटनर की अगुवाई वाली टीम ने सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। चौथा टी20 मैच बारिश की भेंट चढ़ने के बाद 2-1 की अजेय बढ़त हासिल करने के बाद, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने कीवी टीम को जोरदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने तीन विकेट जल्दी चटकाए और विपक्षी टीम के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर महज 2.4 ओवर में 21/4 हो गया। इसके बाद, वेस्टइंडीज वापसी नहीं कर सका और केवल 140 रन ही बना सका। डफी ने 4-35 के प्रभावशाली गेंदबाजी आंकड़े दर्ज किए, जबकि रोस्टन चेस 32 गेंदों में 38 रन बनाकर मेहमान टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। रोमारियो शेफर्ड ने भी अंत में बढ़त हासिल की और 22 गेंदों में 36 रन बनाकर वेस्टइंडीज को अंत में

सम्मानजनक स्कोर दिया। न्यूजीलैंड ने तेजी से लक्ष्य का पीछा किया। सलामी बल्लेबाज टिम रॉबिन्सन और डेवोन कॉनवे ने शानदार शुरुआत की और सिर्फ सात ओवर में 69 रन बनाकर मैच को वेस्टइंडीज की पहुंच से दूर कर दिया। रॉबिन्सन ने आक्रामक 45 रनों के साथ आक्रमण का नेतृत्व किया, जबकि कॉनवे ने धैर्यपूर्वक पारी को संभाला, 47 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाई। मार्क चैपमैन ने 13 गेंदों में तेजी से 21 रन जोड़कर गति बनाए रखी। दोनों टीमें अब तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में आमने-सामने होंगी, जहाँ वेस्टइंडीज़ को अल्ज़ारी जोसेफ, शमर जोसेफ, रेमन सिमंड्स और जेडियाह ब्लेड्स की चोटों के कारण सेवाएँ नहीं मिलेंगी। पहला एकदिवसीय मैच रविवार को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जाएगा। संक्षिप्त स्कोर- वेस्टइंडीज़- 18.4 ओवर में 140-10 (रोस्टन चेज़ 38, रोमारियो शेफर्ड 36, जैकब डफी 4-35) और न्यूज़ीलैंड- 15.4 ओवर में 141-2 (डेवोन कॉनवे 47*, टिम रॉबिन्सन 45, शमर स्प्रिंगर 1-8)।

सिंगापुर के जिया हेंग को हराकर जापान मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

कुमामोतो (जापान)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता सेन ने 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 21-13, 21-11 से हराया। विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी सेन का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से होगा। लक्ष्य ने पहले गेम में 8-5 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद तेह ने कुछ देर के लिए 10-9 की मामूली बढ़त हासिल कर ली, लेकिन ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी ने फिर बढ़त बना ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच 14-13 के स्कोर तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन इसके बाद लक्ष्य ने लगातार सात अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया। लक्ष्य ने दूसरे गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही 5-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने इंटरवल तक 11-3 की बढ़त बनाकर अपने प्रतिद्वंदी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखी और आसानी से मैच जीता। भारत के एक अन्य खिलाड़ी एचएस प्रणय का सामना डेनमार्क के रासमस गेम्के से होगा।

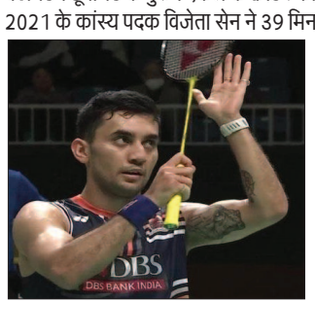

भारतीय सरजमीं पर जीतना विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के बाद दूसरे नंबर पर होगा : बावुमा

कोलकाता। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा के लिए भारत को उसकी सरजमीं पर हराने की संभावना विशेष महत्व रखती है और उनका कहना है कि दो टेस्ट मैच की श्रृंखला जीतना लगभग इस साल के शुरू में मिली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के बराबर ही होगा। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के तीन दौरों में लगातार सात टेस्ट गंवाए हैं और उनकी आखिरी जीत 2010 में नागपुर में रही थी। लेकिन बावुमा का मानना है कि 2023 में कोच शुक्री कॉनराड के कार्यभार संभालने के बाद से इस टीम को टेस्ट श्रृंखला में हार का सामना नहीं करना पड़ा है और अब उनकी टीम इतनी परिपक्व और आत्मविश्वास से भरी है कि वह कड़ी चुनौती पेश करके भारत में अब तक की अपनी दूसरी श्रृंखला जीत सकती है। ईडन गार्डन्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले बावुमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतना काफी महत्वपूर्ण है। लेकिन मुझे लगता है कि भारत में जीतना इसके बाद दूसरे नंबर पर होगा। यह ऐसा कुछ है जो हम लंबे समय से ऐसा नहीं कर पाए हैं। इसलिए महत्वाकांक्षा के मामले में यह निश्चित रूप से ऊपर है।' बावुमा ने कहा, 'हम चुनौती की गंभीरता को समझते हैं। इसलिए हम इसकी अहमियत जानते हैं।' दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा, 'हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। दोनों टीमों को देखते हुए यह रोमांचक होना चाहिए। भारतीय टीम में शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन थोड़े कम अनुभवी भी हैं। इसी तरह हमारी टीम भी है, हमारे खिलाड़ी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से मुकाबला करना चाहते हैं।'

कप्तानी के लिए अच्छी पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलना जरुरी नहीं : अक्षर पटेल

-लोगों को अपनी धारणा बदलनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिर ऑलराउंडर व दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा है कप्तानी को लेकर एक ऐसी धारणा बन गयी है जो सही नहीं है पर ये कई साल से चली आ रही अक्षर के अनुसार लोग मानते है कि अच्छी पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलना कप्तानी के लिए जरुरी है। वहीं केवल इस आधार पर किसी को कप्तानी के लिए अयोग्य मान लेते हैं जो अंग्रेजी नहीं बोल पाता। अक्षर कप्तानी को लेकर लोगों की इस धारणा से नाराज है। उन्होंने कहा कि कप्तानी के लिए किसी खिलाड़ी की पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलने की क्षमता को लोग वरीयता देते हैं पर क्रिकेट से जुड़े कौशल को नहीं देखते हैं। अक्षर ने कहा, 'लोग कहना शुरू कर देते हैं- ओह, वह कप्तानी मटैरियल नहीं है, वह अंग्रेजी नहीं बोलता है। वह कैसे बात करेगा? ये है, वो है।' साथ ही कहा, अरे, कप्तान का काम सिर्फ बात करना थोड़े होता है। कप्तान का काम खिलाड़ी को जानना होता है और उससे उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल करना होता है। ये जानना होता है। उसकी ताकत क्या है, उसकी कमजोरी क्या है, ये समझना होता है। कप्तान को पता होता है कि हमारे पास ये खिलाड़ी है और मुझे उससे कैसे अच्छा प्रदर्शन लेना है। इसके अलावा मैच के हालात के अनुसार किये गेंदबाजी देनी है। अक्षर ने आगे कहा, 'लेकिन नहीं, हम कहते हैं कि पर्सनैलिटी चाहिए, अच्छा इंग्लिश बोलना चाहिए। धारणा लोगों की अपनी सोच के आधार पर बनी है। मैंने इस साल दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की और मुझे बहुत सारी तारीफ मिली। मुझे लगता है कि आगे भी ऐसा और भी होगा और आने वाले समय में अभी और ज्यादा बदलाव आएंगे।' उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी व्यक्तिगत सोच और नजरिए को बदलने की जरूरत है। ये सोचना बंद कीजिए कि उसकी पर्सनैलिटी अच्छी है, वह इंग्लिश बोल सकता है तो वह कैप्टन मटैरियल है।

गुजरात छोड़ मुंबई इंडियन्स से जुड़ेंगे वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर, मुंबई इंडियंस ने खर्च किए 2.6 करोड़

नई दिल्ली । गुजरात टाइटन्स ने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड को आईपीएल 2026 से पहले दो करोड़ 60 लाख रुपए में मुंबई इंडियंस (MI) को 'ट्रेड' किया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, 'गुजरात टाइटन्स द्वारा 2.6 करोड़ रुपए में खरीदे गए रदरफोर्ड अपनी मौजूदा फीस पर मुंबई इंडियन्स में शामिल होंगे।' वेस्टइंडीज के इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड उनके नाम है। उन्होंने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आंद्रे रसेल के साथ 139 रन की साझेदारी की थी। रदरफोर्ड ने अब तक 23 आईपीएल मैच खेले हैं। इससे पहले उन्होंने 2019 में दिल्ली कैपिटल्स और 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह 2020 में मुंबई इंडियन्स और 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा थे लेकिन उन सत्र के दौरान एकादश का हिस्सा नहीं बन पाए।

आईपीएल2026 से पहले मोहम्मद शमी त्रिकोणीय रस्साकशी के केंद्र में

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहम्मद शमी, जो हाल ही में भारतीय टीम में चयन न होने के कारण चर्चा में हैं, 2026 के आईपीएल सीजन से पहले त्रिकोणीय रस्साकशी के केंद्र में हैं। इस अनुभवी तेज गेंदबाज के लिए कई फ्रेंचाइजी रुचि दिखा रही हैं, और हो सकता है कि उन्हें उनमें से किसी एक के साथ ट्रेड कर दिया जाए।

हाल ही में पता चला है कि सनराइजर्स हैदराबाद मौजूदा मांग का सर्वोत्तम उपयोग करने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। 35 वर्षीय तेज गेंदबाज, जो अपने 12 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में लंबे समय तक भारतीय आक्रमण का अगुआ रहा है, जिसमें 64 टेस्ट, 108 वनडे और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय शामिल हैं, को लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा खरीदा जा रहा है और दिल्ली कैपिटल्स भी उतनी ही उत्सुकता दिखा रही है। अब देखना यह होगा

कि एसआरएच प्रबंधन इस स्थिति से कैसे निपटता है। अगर यह सौदा होता है, तो यह एकतरफा होगा।

नीलामी पूल में शामिल होने की भी संभावना है, लेकिन पूरी तरह से नकद लेन-देन वाला विकल्प ज़्यादा संभावित लगता है। शमी को जेद्दा में हुई पिछली मेगा नीलामी में एसआरएच ने 10 करोड़ रुपए में खरीदा था, लेकिन पिछले सीजन में उनका प्रदर्शन मामूली रहा - 56.17 के निराशाजनक औसत और 11.23 के इकॉनमी रेट से सिर्फ छह विकेट, जबकि उनके करियर के आंकड़े क्रमशः 28.19 और 8.63 रहे हैं।

उन्होंने कुल 119 आईपीएल मैचों में 133 विकेट लिए हैं, जिनमें से ज़्यादातर विकेट उन्होंने 2022 और 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए दो शानदार सीजन के दौरान लिए थे, जब उन्होंने कुल मिलाकर 48 विकेट (क्रमशः 20 और 28) लिए थे। चोट के कारण वह पूरे आईपीएल 2024 से बाहर हो गए। दिल्ली कैपिटल्स की शमी में कितनी गहरी दिलचस्पी है, इसका अंदाज़ा सौरव गांगुली की इस तेज गेंदबाज पर हालिया टिप्पणियों से लगाया जा सकता है। 'मुझे यकीन है कि चयनकर्ता नजर रख रहे हैं और मोहम्मद शमी और चयनकर्ताओं के बीच बातचीत चल रही है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, तो फिटनेस और कौशल के मामले में, यह वही मोहम्मद शमी है जिसे हम जानते हैं।'

दिल्ली कैपिटल्स प्रबंधन के सदस्य गांगुली ने कुछ दिन पहले मीडिया में कहा था, 'इसलिए, मुझे वास्तव में कोई कारण नहीं दिखता कि वह भारत के लिए टेस्ट मैच, वनडे क्रिकेट और टी20 क्रिकेट क्यों नहीं खेल सकते। क्योंकि यह कौशल बहुत बड़ा है।' शमी ने इस साल मार्च में दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, और उनकी फिटनेस की स्थिति एक गर्म विषय बन गई, जिसमें मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और खुद खिलाड़ी सार्वजनिक रूप से बयानबाजी में शामिल रहे। शमी ने इस सीजन में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी मैचों में अपनी फिटनेस साबित की है और पिछले तीन रणजी मैचों में 15 विकेट लिए हैं।

2026 सत्र के लिए बोल्ट और दीपक चाहर को रिटेन नहीं करेगी मुम्बई इंडियंस : हेडन

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर को बाहर कर देगी। हेडन ने कहा, मुंबई इंडियंस के पास एक संतुलित अंतिम ग्यारह है पर इसके बाद भी उसे जीत के लिए उसे कुछ कठिन फैसले लेने होंगे, जिसमें न्यूजीलैंड के बोल्ट को रिलीज करना भी शामिल है। बोल्ट को पिछले सत्र में मुंबई की टीम ने 12.50 करोड़ में खरीदा था और उन्होंने सीजन में कुल 22 विकेट लिए थे। बोल्ट पावर प्ले में अपनी कसी हुई गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में टीम के लिए उन्हें बाहर करना कठिन फैसला होगा। ये भी हो सकता है कि मुंबई उन्हें मिनी निलामी में कम कीमत पर खरीदे। बोल्ट के अलावा मुंबई इंडियंस से दीपक चाहर भी बाहर होंगे। हेडन का मानना है कि चाहर को रिलीज कर टीम कम पैसों में किसी अच्छे तेज गेंदबाज को नीलामी में शामिल कर सकती है। चाहर को मुंबई की टीम ने आईपीएल 2025 में 9.25 करोड़ में खरीदा था पर वह टीम के लिए फायदेमंद नहीं रहे। वह सत्र में केवल 11 विकेट ले पाए थे। इसी को देखते हुए हेडन का मानना है कि चाहर को रिलीज किया जाएगा जिससे मिनी नीलामी में किसी युवा खिलाड़ियों को बैक अप के तौर पर खरीदा जा सके। पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस का पिछला सत्र अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में वह इस बार टीम संयोजन में कमी नहीं रखना चाहेगी।

सानिया मिर्जा का खुलासा, तलाक के बाद गहरे डिप्रेशन में चली गई थी, पैनिक अटैक भी आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने पहली बार अपने जीवन के सबसे कठिन दौर के बारे में खुलासा किया है। शोएब मलिक से तलाक के बाद सानिया गहरे डिप्रेशन और पैनिक अटैक से जूझ रही थीं। इस मुश्किल समय में बॉलीवुड डायरेक्टर और कोरियोग्राफर फराह खान ने उनकी भावनात्मक रूप से मदद की और उन्हें फिर से खड़ा होने की ताकत दी। अपने नए यूट्यूब शो ÷सर्विंग इट अप विद सानिया÷ के पहले एपिसोड में सानिया ने बताया कि कैसे फराह ने उन्हें जीवन के सबसे नाजुक पलों से उबरने में साथ दिया।

तलाक के बाद बिखर गई थीं सानिया मिर्जा

सानिया मिर्जा ने साल 2010 में पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी की थी। इस रिश्ते ने शुरुआत से ही दोनों देशों में खूब सुर्खियां बटोरीं। 2018 में दोनों एक बेटे के माता-पिता बने, लेकिन साल 2024 में शोएब मलिक ने पाकिस्तानी अभिनेत्री सना जावेद से शादी कर ली, जिससे यह रिश्ता हमेशा के लिए खत्म हो गया। इस टूटे रिश्ते का असर सानिया पर गहराई से पड़ा। उन्होंने बताया कि तलाक के बाद उन्हें पैनिक अटैक आने लगे और वे लंबे समय तक डिप्रेशन में रहीं। उस दौर को सानिया ने अपनी जिंदगी का 'सबसे बुरा समय' बताया।

फराह खान बनीं मुश्किल वक्त में सहारा

अपने नए टॉक शो 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के पहले एपिसोड में सानिया ने फराह खान के साथ बातचीत में इस घटना का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, 'मैं कैमरे पर यह नहीं बताना चाहती, लेकिन एक वक्त ऐसा था जब मैं बुरी तरह टूट गई थी। आप (फराह खान) मेरे सेट पर आई थीं और उसके बाद मुझे एक लाइव शो में जाना था। मैं कांप रही थी। अगर आप वहां नहीं आतीं, तो शायद मैं वह शो नहीं कर पाती। आपने मुझसे कहा था, 'चाहे कुछ भी हो, तुम यह शो करोगी।' सानिया की इन बातों से यह साफ़ झलकता है कि फराह खान ने उस कठिन समय में उनके लिए एक भावनात्मक स्तंभ का काम किया।

फराह खान ने याद किया वो दिन

फराह खान ने भी उस घटना को याद करते हुए बताया कि सानिया को परेशान देखकर वे खुद भी घबरा गई थीं। उन्होंने कहा, 'मुझे उस दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन जब मैंने सानिया को उस हालत में देखा तो सब कुछ छोड़कर भागी चली आई। मैं पजामा और चप्पल में वहां पहुँची, क्योंकि मुझे उनकी चिंता थी।' फराह ने बताया कि सानिया को देखकर उन्हें एहसास हुआ कि दोस्ती सिर्फ अच्छे वक्त में नहीं, बल्कि मुश्किल घड़ी में साथ खड़े होने का नाम है।

सिंगल मदर के रूप में सानिया की ताकत की सराहना

फराह खान ने बातचीत के दौरान सानिया की सिंगल मदर के रूप में भूमिका की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अकेले बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं है। आपको काम भी करना पड़ता है और एक मां के तौर पर बेटे को समय भी देना पड़ता है। यह दोगुनी मेहनत का काम है, लेकिन सानिया इसे खूबसूरती से निभा रही है।'

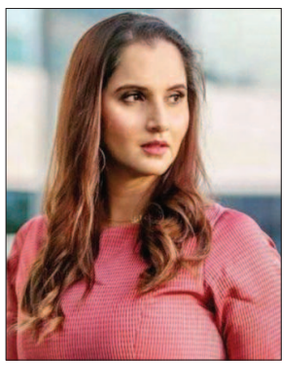

सानिया आज अपने बेटे इजहान मिर्जा मलिक की परवरिश अकेले कर रही हैं और वे अपने पेशेवर जीवन में भी सक्रिय हैं।

120 बहादुर में अपने किरदार को लेकर काफी एक्साइटेड हैं राशि खन्ना

रजनीश घई निर्देशित फिल्म '120 बहादुर' में फरहान अख्तर एक फौजी के किरदार में नजर आएंगे। यह कहानी सच्ची घटना पर आधारित है। इसमें फरहान के अलावा राशि खन्ना भी हैं। फिल्म में अपने किरदार को लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने किरदार को लेकर डिटेल्स शेयर किए।

राशि खन्ना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'वो युद्ध के मैदान में नहीं गईं, लेकिन उसने हर दिन युद्ध को जिया। मैंने इस किरदार को अपने मन में बसाया है। यह उन महिलाओं के लिए है, जो खामोशी से प्यार करती हैं। जो देश के सैनिकों का घर संभालती हैं। यह महिलाएं गर्व और दर्द को एक साथ समेटे हुए हैं।' बताते चलें कि फिल्म के मुख्य किरदार शैतान सिंह भाटी की पत्नी का रोल राशि खन्ना कर रही हैं।

भारत-चीन युद्ध पर आधारित कहानी

फिल्म '120 बहादुर' की कहानी 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है। इस लड़ाई में 13 कुमाऊं रेजिमेंट के लगभग 120 भारतीय सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह भाटी के नेतृत्व में, 3,000 से अधिक चीनी सैनिकों का बहादुरी से सामना किया और अपनी अंतिम सांस तक अपनी चौकी की रक्षा की। फिल्म में फरहान मेजर शैतान सिंह भाटी के किरदार में ही नजर आएंगे। यह फिल्म 21 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

सात साल बाद फिल्मों में कर कमबैक सकती हैं अनुष्का

चकदा एक्सप्रेस की रिलीज पर जल्द हो सकता है फैसला

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा को लीड एक्ट्रेस के तौर पर आखिरी बार साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म जीरो में देखा गया था। इसके बाद उन्होंने फिल्म चकदा एक्सप्रेस की शूटिंग पूरी की थी, लेकिन यह फिल्म अब तक रिलीज नहीं हुई। हालांकि, अनुष्का जल्द ही लीड एक्ट्रेस के तौर पर सात साल बाद कमबैक कर सकती हैं। दरअसल, चकदा एक्सप्रेस क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक है, जिसमें अनुष्का शर्मा लीड रोल में हैं। हालांकि यह बायोपिक करीब तीन साल से नेटफ्लिक्स के पास पड़ी है। फिल्म को प्लेटफॉर्म और प्रोडक्शन हाउस क्लीन स्लेट फिल्म्स के बीच अनबन के चलते रिलीज नहीं किया जा रहा है। रिपोर्ट में सामने आया है कि हाल ही में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद फिल्म चकदा एक्सप्रेस के प्रोड्यूसर्स अब इसकी रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। प्रोड्यूसर्स ने नेटफ्लिक्स इंडिया के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर फिल्म रिलीज करने की अपील की है। अनुष्का ने फिल्म में झूलन गोस्वामी का किरदार निभाया है, जो पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर और टीम की कप्तान रह चुकी हैं। एक सूत्र ने बताया, हमने नेटफ्लिक्स इंडिया के टॉप अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से लिखा है कि वे इस विवाद से ऊपर उठकर फिल्म रिलीज करें। झूलन दी जैसी दिग्गज पर बनी बायोपिक दर्शकों तक जरूर पहुंचनी चाहिए। सूत्र ने यह भी बताया कि फिल्म कई सालों से अटकी हुई है क्योंकि नेटफ्लिक्स के अधिकारियों को इसका रिजल्ट पसंद नहीं आया। प्रोडक्शन हाउस का बजट खत्म हो गया था और प्लेटफॉर्म हैड्स को प्रोजेक्ट का साइज ठीक नहीं लगा। फिर भी फिल्म मजबूत है। एक अन्य सूत्र ने बताया कि टीम ने फिल्म पर फिर से चर्चा शुरू की है और इस महीने के भीतर रिलीज को लेकर फैसला लिया जा सकता है।

आखिरी बार फिल्म जीरो में दिखी थीं अनुष्का

बता दें कि अनुष्का शर्मा ने आखिरी बार साल 2018 में फिल्म जीरो में लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम किया था, जिसमें उन्होंने आफिया यूसुफजई भिंदर का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और कैटरीना कैफ नजर आए थे। साल 2020 में उन्होंने फिल्म बुलबुल को प्रोड्यूस किया। इसके बाद 2022 में उन्होंने फिल्म कला में कैमियो रोल किया था।

प्रतिभा रांटा ने सान्या मल्होत्रा को किया रिप्लेस

कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म नागजिला को लेकर इन दिनों काफी बज बना हुआ है। हाल ही में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। सेट से पूजा करने का वीडियो भी हाल ही में वायरल हुआ था। अब इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस से जुड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स ने इस बार नई चेहरों की तलाश शुरू की है और उनकी नज़र पड़ी है उभरती हुई स्टार प्रतिभा रांटा पर। बताया जा रहा है कि पहले इस फिल्म के लिए सान्या मल्होत्रा को फाइनल माना जा रहा था, लेकिन अब उनकी जगह पर प्रतिभा रांटा को चुना गया है। टीम ने इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के रूप में लेने की तैयारी लगभग तय कर ली है। हालांकि फिलहाल इन खबरों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो सकी है। प्रतिभा के चयन की चर्चा इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि उन्हें एक फ्रेश चेहरा और अंडररेटेड टैलेंट माना जाता है। निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा और प्रोड्यूसर करण जौहर दोनों ही चाहते हैं कि फिल्म की जोड़ी एकदम फ्रेश दिखे। यही वजह है कि कार्तिक आर्यन के साथ उनकी पेयरिंग को लेकर काफी बज बन रहा है।

10 साल बाद परदे पर लौटने जा रहे हैं इमरान, भूमि पेडनेकर के साथ नजर आएंगे

आमिर खान के भांजे इमरान खान करीब 10 साल के लंबे गैप के बाद परदे पर लौटने जा रहे हैं। इमरान को आखिरी बार 2015 में रिलीज हुई फिल्म कट्टी बट्टी में देखा गया था। जिसमें उनके साथ कंगना रनौत मुय किरदार में थीं। अब उनकी अगली फिल्म के जरिए वे दर्शकों के सामने नए अंदाज में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की रिलीज और कास्ट से जुड़ा ताजा अपडेट सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इमरान की इस आगामी फिल्म में भूमि पेडनेकर भी उनके साथ नजर आएंगी। फिल्म का पहला एडिट इसी साल दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में पूरी हो चुकी है और अब यह पोस्ट-प्रोडक्शन फेज में है। निर्माता दिसंबर तक एडिट पूरा कर अगले साल की शुरुआत में फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट फाइनल नहीं हुई है। रिलीज डेट का निर्धारण पूरी तरह नेटफ्लिक्स पर निर्भर है। जब तक कॉर्पोरेट अधिकारियों की टीम इस पर साइन नहीं कर देती, रिलीज का कोई आधिकारिक ऐलान नहीं होगा। इसका निर्देशन दानिश असलम कर रहे हैं।

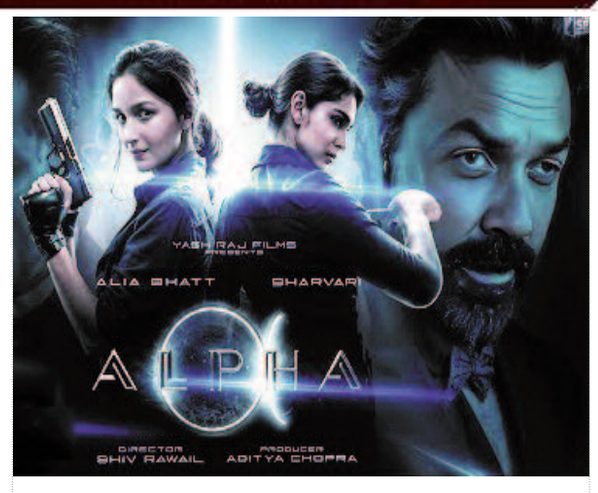

अल्फा का क्लाइमेक्स एक्शन सीन 8 से 10 मिनट लंबा

VFX पर 15-20 दिन लगे

यशराज फिल्म्स की अगली स्पाई थ्रिलर अल्फा को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। इसका क्लाइमेक्स सीक्वेंस हाल ही में मुंबई के यशराज स्टूडियो में अत्याधुनिक तकनीक के साथ सफलतापूर्वक शूट कर लिया गया है। यह फिल्म यशराज स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल सेंट्रिक एक्शन फिल्म है, जो अब अपने फाइनल शेड्यूल में पहुंच चुकी है। इसके निर्देशन की जिम्मेदारी द रेलवे मैन फेम शिव रवैल ने निभाई है। डेढ़ साल से जारी शूटिंग में लंदन समेत कई विदेशी लोकेशन शामिल रही हैं।

बोल्ट कैमरा और फेस रिप्लेसमेंट तकनीक का भी हुआ इस्तेमाल

अल्फा के क्लाइमेक्स फाइट सीक्वेंस को लेकर यशराज फिल्म्स ने कोई कसर नहीं छोड़ी। यह हाई-ऑक्टेन, वीएफएक्स-हेवी एक्शन फिल्म है, जिसमें आलिया का सामना विलन बॉबी देओल के किरदार से होता है। इस सीन को अविश्वसनीय सटीकता के साथ फिल्माने के लिए सेट पर बोल्ट कैमरा मशीन लगाई गई, जो बेहद तेज और सटीक मूवमेंट कैप्चर करने में सक्षम है। शूट की निगरानी एक विदेशी स्टंट डायरेक्टर ने की, जिन्होंने सीन के हर मूवमेंट को परफेक्ट बनाने के लिए कई लेयर्स में रिहर्सल करवाई। इस सीन में फेस रिप्लेसमेंट और वीएफएक्स के बड़े हिस्से शामिल हैं, जिसके लिए खास लाइटिंग सेटअप और टेक्निकल ग्रिड बनाया गया था। पिता की खराब तबीयत के बीच बॉबी ने बिना रुके की शूटिंग सेट पर सबसे अधिक चर्चा बॉबी के प्रोफेशनलिज्म की रही। वह हर दिन सुबह 11.30 बजे से रात 7-8 बजे तक बिना ब्रेक शूटिंग करते रहे। तीन दिन तक चले इस एक्शन सीन में उन्होंने 8 घंटे की नॉन-स्टॉप शिफ्ट दी। इसी दौरान उनके पिता धर्मेंद्र अस्पताल में भर्ती भी थे। इसके बावजूद बॉबी ने शूट और पिता की सेहत दोनों के बीच तालमेल बनाए रखा। वीएफएक्स तकनीक के चलते बॉबी के लिए यह अनुभव बिल्कुल नया था पर उन्होंने इसे आसानी से एडॉप्ट कर लिया।

कड़ी सुरक्षा में पूरा हुआ शूट, मोबाइल फोन भी रहा बैन

क्लाइमेक्स शूट के दौरान सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाए। पहले दिन किसी भी क्रू मेंबर को मोबाइल फोन अंदर ले जाने की अनुमति नहीं थी। बाद में केवल असिस्टेंट डायरेक्टर की मंजूरी से कुछ फोन की अनुमति दी गई। वीएफएक्स बेस्ड इस शूट में आलिया और बॉबी ने अपने सीन अलग-अलग शूट किए। पहले बॉडी डबल्स पर फाइट सीक्वेंस फिल्माया गया है, फिर फेस रिप्लेसमेंट के जरिए असली कलाकारों के चेहरे लगाए जाएंगे। इसके लिए बॉडी डबल्स की अलग से वर्कशॉप और रिहर्सल भी हुई। बताया जा रहा है कि यह पूरा क्लाइमेक्स एक्शन ब्लॉक 8 से 10 मिनट लंबा है और इसके वीएफएक्स हिस्से में 15 से 20 दिन का समय लगा।

दो बहनों के रोल में दिखेंगी आलिया-शरवरी

अल्फा की कहानी जासूसी मिशन पर आधारित है। इसमें आलिया और शरवरी दो बहनों बनी हैं, जो सीक्रेट एजेंट भी हैं। इनके पिता के रोल में अनिल कपूर हैं, जो खुद भी एक स्पाई एजेंट हैं। वहीं बॉबी का किरदार टेररिज्म और ग्लोबल क्राइम नेटवर्क से जुड़ा है। उनका लुक इस बार एनिमल से बिल्कुल अलग है।

इंडस्ट्री का हिस्सा बनना कभी मेरे प्लान का हिस्सा नहीं था

कर्नाटक के छोटे-से कस्बे कोडागु से ताल्लुक रखने वाली रश्मिका मंदाना ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन वह ग्लैमर की दुनिया पर राज करेंगी। एक समय था, जब वह लिट्रेचर, साइंस और जर्नलिज्म की पढ़ाई में व्यस्त थीं और अपनी ही दुनिया में मस्त। लेकिन किस्मत ने उनका रुख फिल्मों की ओर मोड़ दिया। कन्नड़ और तमिल फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली रश्मिका जब पुष्पा- द राइज में नजर आईं, तो रातों-रात नेशनल क्रश बन गईं। जल्दी ही पैन इंडिया स्टार के तौर पर पहचानी जाने वाली रश्मिका की थामा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा-खासा बिजनेस किया।

आज आप देश की टॉप एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं। इसका श्रेय आप किसे देती हैं?

सच कहूं तो इंडस्ट्री का हिस्सा बनना कभी मेरे प्लान का हिस्सा नहीं था। लेकिन पीछे मुड़कर देखती हूं तो लगता है ये सफर कितना खूबसूरत रहा है। मैं उन सभी की आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। सबसे पहले मेरा परिवार, जिन्होंने हमेशा मुझे दिल की सुनने, आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित किया और हर मोड़ पर मेरा साथ दिया। हर निर्देशक, को-स्टार और टीम से मैंने कुछ न कुछ सीखा है, जिसने मुझे लगातार आगे बढ़ाया। और सबसे ऊपर, मेरे चाहने वाले फैन, उनका प्यार और समर्थन मुझे हर दिन नई चुनौतियां

पुष्पा के बाद आपने सचमुच पैन इंडिया स्टार शब्द को लोकप्रिय बना दिया। पैन-इंडिया सुपरस्टार कहलाना कैसा लगता है?

बहुत प्यारा लगता है। सच कहूं तो अभी भी उस अहसास को पूरी तरह महसूस कर रही हूं। ये सब दर्शकों के अपार प्यार का नतीजा है और इसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि आप सबका प्यार ही मेरी ताकत है। मैं हर दिन अपना बेस्ट देने की कोशिश करती हूं और आगे जो प्रोजेक्ट्स आ रहे हैं, उन्हें लेकर बेहद उत्साहित हूं।

छोटे शहर और कस्बों से आने वाली उन युवा लड़कियों के लिए क्या संदेश देना चाहेंगी जो आपके रास्ते पर चलना चाहती हैं?

मैं हमेशा यही कहती हूं कि अगर मैं कर सकती हूं तो कोई भी कर सकता है। जो भी आपका सपना हो, खुद पर विश्वास रखिए और आगे बढ़िए। रास्ता आसान नहीं होगा, लेकिन अगर दिल में ठान लिया तो आधी जीत वहीं से शुरू हो जाती है।

आपकी नैचुरल एक्टिंग और सादगी भरे लुक्स को लोग बहुत पसंद करते हैं। क्या ये आपकी निजी पसंद है या निर्देशक का विजन?

यह बहुत प्यारा कॉम्प्लिमेंट है, धन्यवाद। सच कहूं तो मैं सेट पर पूरी तरह अपने निर्देशक पर भरोसा करती हूं। उनका विजन ही फिल्म की आत्मा होता है। हमारा काम है उस विजन को जीवंत करना।

आपने अल्लू अर्जुन, रणबीर कपूर, विक्की कौशल जैसे बड़े कलाकारों के साथ काम किया है। उनसे आपने क्या सीखा?

हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। अल्लू सर हों, रणबीर हों या विक्की, हर किसी का काम करने का तरीका अलग है। मैंने उनसे छोटे-छोटे सबक सीखे हैं जिन्हें मैं हमेशा अपने साथ लेकर चलती हूं। अल्लू अर्जुन सर के साथ हमारी एनर्जी बहुत अच्छी तरह मिलती है, इसलिए हमें काम के दौरान बहुत कंफर्टेबल महसूस होता है। रणबीर की बात करूं, तो हम लोगों को इधर-उधर की बातें पसंद नहीं आतीं, हम लोग अपने रोल्स और काम पर ध्यान देते हैं। एक चीज जो मुझे उनकी बहुत पसंद है, वो यह है कि उनका जो क्राफ्ट है, वो पूरी इंडस्ट्री को दर्शाता है। जबकि विक्की के साथ काम करते हुए सेट पर मैं यही सोचती थी कि ये इंसान तो कमाल का है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।